केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450] 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :48 अंक 84 गुरूवार 15 अक्टूबर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

स्कंदमाता : जीवों में नवचेतना देती हैं दुर्गा की पांचवीं शक्ति

सिंहसनगता नित्यं पद्माश्रितकरद्वया।
शुभदास्तु सदा देवी स्कंदमाता यशस्विनी।।

पहाड़ों पर रहकर सांसारिक जीवों में नवचेतना का निर्माण करने वालीं स्कंदमाता। नवरात्रि में पांचवें दिन इस देवी की पूजा–अर्चना की जाती है। कहते हैं कि इनकी कृपा से मूढ़ भी ज्ञानी हो जाता है।

स्कंद कुमार कार्तिकेय की माता के कारण इन्हें स्कंदमाता नाम से अभिहित किया गया है। इनके विग्रह में भगवान स्कंद बालरूप में इनकी गोद में विराजित हैं।

इस देवी की चार भुजाएं हैं। ये दाईं तरफ की ऊपर वाली भुजा से स्कंद को गोद में पकड़े हुए हैं। नीचे वाली भुजा में कमल का पुष्प है। बाईं तरफ ऊपर वाली भुजा में वरदमुद्रा में हैं और नीचे वाली भुजा में कमल पुष्प है। इनका वर्ण एकदम शुभ्र है। ये कमल के आसन पर विराजमान रहती हैं। इसीलिए इन्हें पद्मासना भी कहा जाता है। सिंह इनका वाहन है।

शास्त्रों में इसका काफी महत्व बताया गया है। इनकी उपासना से भक्त की सारी इच्छाएं पूरी हो जाती हैं। भक्त को मोक्ष मिलता है। सूर्यमंडल की अधिष्ठात्री देवी होने के कारण इनका उपासक अलौकिक तेज और कांतिमय हो जाता है। अतः मन को एकाग्र रखकर और पवित्र रखकर इस देवी की आराधना करने वाले साधक या भक्त को भवसागर पार करने में कठिनाई नहीं आती है।

उनकी पूजा से मोक्ष का मार्ग सुलभ होता है। यह देवी विद्वानों और सेवकों को पैदा करने वाली शक्ति है। यानी चेतना का निर्माण करने वालीं। कहते हैं कालिदास द्वारा रचित रघुवंशम महाकाव्य और मेघदूत रचनाएं स्कंदमाता की कृपा से ही संभव हुईं।

एक नजर

फल विक्रेता का बेटा बना अवर अभियंता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

कलवारी (बस्ती)। दुबौलिया विकासखंड के चिलमा बाजार निवासी शिवम कुमार का चयन विद्युत विभाग में अवर अभियंता (जेई) के पद पर हुआ है। शिवम ने परिवार और क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

शिवम के पिता अमित प्रजापति चिलमा बाजार में ठेले पर फल बेचते हैं। शिवम ने दुबौलिया के एडी एकेडमी से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की पढ़ाई पूरी करने के बाद लखनऊ से पॉलिटेक्निक किया। इसके बाद प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी में जुट गए और अपनी मेहनत के दम पर सफलता हासिल की।

दो भाइयों में बड़े शिवम की सफलता से परिवार में खुशी का माहौल है। उनके छोटे भाई सत्यम भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। शिवम के चयन पर माता श्यामपति, बाबा रमानन्द, दादी आकाली देवी, चाचा मिश्रीलाल, चाचा राजेश कुमार, चाची किरन सहित परिजनों और क्षेत्रवासियों ने बधाई दी।

मुस्कान और प्रेमी साहिल को मृत्युदण्ड

मेरठ (आभा)। मेरठ में जिस पति को बेदर्दी से मौत के घाट उतारकर लाश के पांच टुकड़े किए और नीले ड्रम में ठूंसकर सील कर दिया, आज उसी हैवानियत की मुख्य सूत्रधार अदालत के सामने अपनी जान और सजा की भीख मांगती नजर आई। मेरठ के बहुचर्चित और रूह कंपा देने वाले ब्रह्मपुरी सौरभ राजपूत हत्याकांड में आखिरकार इंसाफ की घड़ी आ गई। अदालत ने कातिल पत्नी मुस्कान और उसके आशिक साहिल को सौरभ की नृशंस हत्या का मुजरिम ठहरा दिया है। अब दोनों को मृत्युदंड की सजा दी गई है।

सजा के ऐलान से ठीक पहले जज अरविंद कुमार मिश्रा की अदालत में जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए दोनों मुजरिमों को पेश किया गया। जब अदालत ने मुस्कान की आंखों में आंखें डालकर सीधा सवाल दागा–'तुम अपने पति की हत्या की दोषी साबित हो चुकी हो, अपने लिए क्या सजा चाहती हो?'

इस सवाल पर जिस औरत के हाथ अपने ही सुहाग की गर्दन काटते वक्त नहीं कांपे थे, वह सलाखों के पीछे थरथरा उठी। उसने ममता का झूठा चोला ओढ़ते हुए गिड़गिड़ाकर कहा–'मेरी दोनों बेटियां बहुत छोटी हैं, उनका ख्याल रखा जाए... मुझे कम से कम सजा दी जाए।' इतना कहते ही उसकी जुबान लड़खड़ा गई और वह सिर झुकाकर सन्नाटे में डूब गई। इसके बाद जब अदालत ने उसके हमदर्द और जुर्म के साझीदार साहिल से पूछा, तो उस खूंखार आशिक की हेकड़ी भी पूरी तरह हवा हो चुकी थी। साहिल ने भी कांपती आवाज में सिर्फ इतना ही कहा–'साहब, कम से कम सजा दीजिए।' इसके बाद अदालत कक्ष में केवल खौफजदा सन्नाटा पसरा रहा। जिस प्रेमी जोडे ने मिलकर एक इंसान की जिंदगी के टुकड़े–टुकड़े कर दिए, वे आज कानून के खौफ से कांप रहे थे। लेकिन अदालत में मृत्यु दंड दिया।

यह वही दिल दहला देने वाली वारदात है जिसने 3 मार्च, 2025 को पूरे मेरठ को हिलाकर रख दिया था। इंदिरा नगर की गलियों में सौरभ राजपूत की बेरहमी से हत्या कर उसके जिस्म को पांच टुकड़ों में काटा गया और सबूत मिटाने के लिए उसे एक नीले ड्रम में भर दिया गया था।

हरिनारायण कांग्रेस श्रम प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष बने

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी श्रम प्रकोष्ठ के चेयरमैन नरेन्द्र दत्त त्रिपाठी ने हरिनारायण स्वरूप दूबे को बस्ती जनपद का श्रम प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष नामित किया है।

हरिनारायण स्वरूप दूबे को श्रम प्रकोष्ठ का जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर कांग्रेस अध्यक्ष विश्वनाथ चौधरी, पूर्व विधायक अम्बिका सिंह, देवानन्द पाण्डेय, सूर्य कान्त त्रिपाठी, विनय दूबे, अपूर्व शुक्ल, अरविन्द तिवारी, विवेक पाल के साथ ही कांग्रेस के अनेक नेताओं, कार्यकर्ताओं ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

पौध वितरित कर दिया पर्यावरण रक्षा का संदेश

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सेवा संकल्प पखवाड़ा की कड़ी में भारतीय जनता पार्टी नेता अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय 'शिब्लू' ने मुण्डेरवा नगर पंचायत क्षेत्र के बड़डाड़ स्थित शिव मंदिर परिसर में 51 लोगों में नीम, आम, नेबू आदि के पौधों का वितरण किया।

अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय 'शिब्लू' ने कहा कि धरती पर हरियाली के लिये पेड पौधों का होना बहुत जरूरी है। उन्होने कहा कि इन पौधों की सुरक्षा करे जिससे वे बड़े होकर मानव जीवन को फल, लकड़ी आदि दे सके। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने 25 वर्ष के कार्यकाल में मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक जनता का भरोसा जीतने के साथ ही लोक कल्याण को नया आयाम दिया। सबका साथ, सबका विकास के संकल्प से देश निरन्तर समृद्धि की ओर है। पौधरोपण के दौरान अमरेन्द्र कुमार पाण्डेय 'शिब्लू' के साथ वीरू गुप्ता, रमेश गुप्ता, मुन्ना सोनी, गोपाल सोनकर, अनिल कुमार, राहुल सोनी आदि ने योगदान दिया।

सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में का. के.के. तिवारी के योगदान पर चर्चा, किया नमन्

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव कां. के.के. त्रिपाठी को प्रेस क्लब सभागार में श्रद्धांजलि सभा के रूप में याद किया गया। जिला सचिव शेषमनि के संयोजन में आयोजित सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि कां. के.के. त्रिपाठी ने गरीबों, मजलूमों को उनका अधिकार दिलाने के लिये अनवतर संघर्ष किया। उनके आकस्मिक निधन से एक रिक्तता पैदा हुई है। उनका योगदान सदैव याद किया जायेगा। श्री तिवारी का गत 5 अक्टूबर को इलाज के दौरान निधन हो गया था।

भाकपा जिला सचिव का. अशर्फीलाल की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से विधायक महेन्द्रनाथ यादव, कविन्द्र चौधरी 'अतुल' पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, दयाशंकर मिश्र, वंदना राय, वृजलाल भारती, प्रेमनाथ राय, सतीश कुमार, जय प्रकाश यादव, हरिओम श्रीवास्तव, अनिल सिंह, कुलदीप शुक्ल, विनोद कुमार, कुलदीप जायसवाल, रामलौट, वीरेन्द्र कुमार शुक्ल, दिवान चन्द पटेल, सतीश सिंह, देवेन्द्र निषाद, शिवाजी शुक्ला, प्रवीन श्रीवास्तव, मस्तराम वर्मा, राम कृष्ण पाण्डेय, आर.पी. चौधरी, सत्यराम, वैदिक द्विवेदी, शिवचरन निषाद, नवनीत यादव, त्रिवेनी चौधरी, सत्यभान, दीनानाथ तिवारी के साथ ही अनेक वक्ताओं ने के.के. तिवारी के राजनीतिक संघर्ष, योगदान पर विस्तार से प्रकाश डालते हुये श्रद्धा सुमन अर्पित किया। का. के. के. तिवारी के पुत्र आरोह कार्तिकेय और परिजन श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित रहे।

सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में मुख्य रूप से ज्ञानेन्द्र पाण्डेय 'ज्ञानू', राजाराम यादव, उदयभान, ध्रुवचन्द्र, चन्द्रभान गौड़, फूलचन्द, सन्तोष कुमार यादव, वृजभान, अशोक कुमार, मेहताब आलम, नरसिंह भरद्वाज, दिलीप कुमार, राम अधारे, सुरेमन, राजेन्द्र प्रसाद चौधरी, रत्नेश श्रीवास्तव, सुजीत चौधरी, अखिल यादव, मोहन शर्मा, विजयनाथ तिवारी, किशलावती देवी, पूनम, नीलू गौड़, सुशीला, विजय लक्ष्मी, इन्द्रावती, लक्ष्मी पाण्डेय, विद्यावती, नीलम, सोनी, सुनीता पाण्डेय, रामनिरख यादव, इन्द्र बहादुर यादव के साथ ही बड़ी संख्या में वाम दलों, सामाजिक संगठनो के लोग शामिल रहे।

अस्तित्व बचाने की होड़ में हैं राहुल गांधी- जगदम्बिका पाल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोकसभा में पीठासीन अधिकारी और डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल ने बुधवार को राहुल गांधी, सीजेपी के आंदोलन और समाजवादी पार्टी पर निशाना साधा। उन्होंने राहुल गांधी पर सदन की कार्यवाही में नियमित रूप से शामिल नहीं होने का आरोप लगाया। पाल ने कहा कि संसद देश की सर्वोच्च विधायी संस्था है और यहां जनहित से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा होनी चाहिए। उन्होंने 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का दावा भी किया।

एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने बस्ती पहुंचे जगदंबिका पाल ने सर्किट हाउस में बातचीत की। राहुल गांधी की भूमिका पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि नेता प्रतिपक्ष होने के नाते राहुल गांधी को संविधान और लोकसभा की गरिमा का सम्मान करना चाहिए। उन्हें संसद में देश की ज्वलंत समस्याओं, जनता से जुड़े मुद्दों और महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा करनी चाहिए। पाल ने आरोप लगाया कि सदन में चर्चा के बजाय कई बार हंगामे की स्थिति बनती है।

सीजेपी के प्रदर्शन और राहुल गांधी की प्रतिक्रिया को लेकर जगदंबिका पाल ने कहा कि उन्हें लगता है कि सीजेपी उनकी जगह ले रही है। उनके मुताबिक, दोनों के बीच अपना अस्तित्व बचाने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। उन्होंने आंदोलन के दौरान हुए लाठीचार्ज को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को जिम्मेदार ठहराने संबंधी राहुल गांधी के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी।

पाल ने आरोप लगाया कि दिल्ली में प्रदर्शन के दौरान हिंसा और महिला पुलिसकर्मियों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी परिस्थितियों में हिंसा को बढ़ावा देने के बजाय शांति बनाए रखने पर जोर दिया जाना चाहिए। इस मुद्दे पर उन्होंने राहुल गांधी के रुख की आलोचना की।

समाजवादी पार्टी के तीन विधायकों के भाजपा में शामिल होने से जुड़े सवाल पर जगदंबिका पाल ने इसे सपा के कमजोर होते जनाधार का संकेत बताया। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश में समाजवादी पार्टी की स्थिति कमजोर हो रही है। पाल ने आगामी विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत का भरोसा जताया।

तीन माह के भीतर पंचायत चुनाव कराने का आदेश

इलाहाबाद (आभा)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बुधवार को ग्राम पंचायत चुनाव मामले में एक अहम फैसला सुनाते हुए राज्य सरकार को तीन महीने के भीतर चुनाव कराने का निर्देश दिया है। कोर्ट के आदेश के अनुसार, जब तक नए चुनाव संपन्न नहीं हो जाते, तब तक सभी निवर्तमान ग्राम प्रधान प्रशासक के रूप में अपने पदों पर कार्य करते रहेंगे। यह फैसला न्यायमूर्ति जस्टिस अजीत कुमार और जस्टिस गरिमा प्रसाद की डिवीजन बेंच ने सुनाया। यह याचिका प्रयागराज के इम्तियाज हुसैन और अन्य द्वारा समय पर चुनाव कराने की मांग को लेकर दायर की गई थी।

इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में अलग से सुनवाई चल रही है। सरकार एक से अधिक बार चुनाव कराने को लेकर अपना रुख स्पष्ट कर चुकी है। सरकार द्वारा पहले प्रशासक नियुक्त किए जा चुके हैं। इसके अलावा कुछ अन्य वजहें हैं जिसके चलते यह चुनाव अभी करा पाना संभव नहीं है।

नियमानुसार पंचायत चुनाव से पहले सरकार को पिछड़ा वर्ग आयोग की रिपोर्ट पेश करनी होती है, जो कि अभी तक प्रस्तुत नहीं की गई है। रिपोर्ट के बिना चुनाव प्रक्रिया आगे बढ़ाना कानूनी और प्रशासनिक रूप से पेचीदा काम है।

सूत्रों के अनुसार, इन अड़चनों और प्रशासनिक तैयारियों के चलते सरकार अभी पंचायत चुनाव कराने की स्थिति में नहीं है। ऐसे में यह संभावना जताई जा रही है कि सरकार इस फैसले के खिलाफ अदालत में अपील का रुख कर सकती है।

प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में यह लगभग स्पष्ट है कि प्रदेश में निर्धारित समय के अनुसार विधानसभा चुनाव पहले संपन्न होंगे, और उसके बाद ही पंचायत चुनावों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा।

एमएलसी चुनाव के लिये भाजपा ने झोंकी ताकत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बुधवार को भारतीय जनता पार्टी कार्यालय पर जिलाध्यक्ष विवेकानंद मिश्र के नेतृत्व में शिक्षक एमएलसी चुनाव को लेकर तैयारी बैठक आयोजित हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला प्रभारी, क्षेत्रीय महामंत्री सत्येन्द्र सिन्हा , चुनाव संयोजक क्षेत्रीय उपाध्यक्ष संजीव राय मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अमृत कुमार वर्मा ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष संतोष सिंह जी ने कहा कि हम सभी कार्यकर्ताओं को मिलकर सभी मतदाताओं के घर–घर जाकर लोगों से मिलना है और भाजपा प्रत्याशी ध्रुव कुमार त्रिपाठी के पक्ष में प्रथम वरीयता के मत के लिए आग्रह करना है।

जिला प्रभारी सत्येन्द्र सिन्हा, संजीव रा ने कहा कि बस्ती की पाँचों विधानसभाओं में बनाए गए विधानसभा प्रभारी, विधानसभा संयोजक और उनकी कमेटी के सभी कार्यकर्ता, बनाए गए प्रभारी एवं बूथ प्रमुख के साथ मिलकर अपने–अपने क्षेत्रों के सभी मतदाताओं से व्यक्तिगत संपर्क कर भाजपा प्रत्याशी के सामने 1 नंबर लिखकर भारी बहुमत से विजयी बनाने का कार्य करें।

खाद्य सुरक्षा कानून में बदलाव की मांग, उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

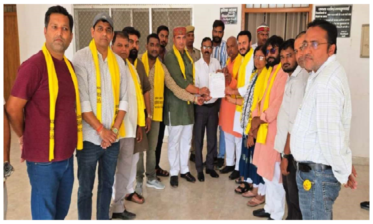

–खाद्य पदार्थों का नमूना लेते समय निर्माता को भी दिया जाय जानकारी –राकेश कुमार सिंह

बस्ती। खाद्य पदार्थों के नमूने भरने, जांच रिपोर्ट मिलने में देरी और विभागीय कार्रवाई से जुड़ी समस्याओं को लेकर बुधवार को उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मण्डल उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पदाधिकारियों, व्यापारियों ने जिलाधिकारी के माध्यम से खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को संबोधित ज्ञापन सौंपा। इसमें खाद्य कारोबारियों और निर्माताओं को हो रही परेशानियों को दूर करने के लिए 12 मांगें रखी गई हैं।

ज्ञापन में मांग किया गया है कि खाद्य पदार्थों का नमूना लेते समय संबंधित निर्माता को भी इसकी जानकारी दी जाए और फॉर्म की प्रति पंजीकृत डाक से भेजी जाए। संगठन ने कहा कि दुकानदार या थोक कारोबारी से बिल मिलने पर ही निर्माता को मामले में पक्षकार बनाया जाना चाहिए।

ज्ञापन देने के बाद मण्डल अध्यक्ष हरिमूर्ति सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष परमात्मा प्रसाद मद्धेशिया ने कहा कि जांच रिपोर्ट मिलने में देरी का मुद्दा उठाते हुए मांग किया कि सरकारी प्रयोगशालाएं नमूना प्राप्त होने के 14 दिन के भीतर रिपोर्ट दें। नमूना फेल होने पर दोबारा जांच की प्रक्रिया भी तुरन्त शुरू की जाए। संगठन ने यह भी मांग किया कि केंद्रीय प्रयोगशाला की रिपोर्ट आने से पहले खाद्य पदार्थों को नष्ट या जब्त करने की कार्रवाई न की जाए।

जिला महामंत्री आलोक दुबे ने अधोमानक और असुरक्षित खाद्य पदार्थों के बीच स्पष्ट अंतर रखने, छोटे मामलों का जल्द निस्तारण करने और पूर्णकालिक न्याय निर्धारण अधिकारी नियुक्त करने की मांग किया। व्यापार मंडल ने सीलबंद पैकेटों की जांच, निजी प्रयोगशालाओं की रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई और पुराने सर्वे नमूनों की रिपोर्ट सार्वजनिक करने का मुद्दा भी उठाया। संगठन ने पैकिंग और लेबलिंग के नियमों का पालन करने वाले कारोबारियों को अनावश्यक कार्रवाई से राहत देने की मांग की।

ज्ञापन सौंपने एवं प्रदर्शन के दौरान जिला संगठन महामंत्री भरत राम अग्रहरी 'बबलू', कोषाध्यक्ष महेन्द्र गुप्ता, नगर अध्यक्ष महेन्द्र प्रताप, नगर महामंत्री धीरेंद्र चौधरी, नगर संगठन महामंत्री डॉ. प्रदीप सिंह, युवा मोर्चा जिला अध्यक्ष कुलदीप श्रीवास्तव, महामंत्री सत्य प्रकाश दुबे, जिला संगठन मंत्री संजय सिंह, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष वंदना वर्मा, जिला महामंत्री गीता देवी, जिला कोषाध्यक्ष राजेश्वरी शर्मा, रावेश श्रीवास्तव, सुजीत कुमार गुप्ता, आकाश सोनी, संजय गुप्ता, अवधेश निषाद, सत्यम सिंह, मोहम्मद फुरकान, मोहम्मद नदीम, अली हुसैन, अश्विन कुमार, शुभम कुमार, सुखसागर, नितिन श्रीवास्तव, उज्ज्वल श्रीवास्तव, सौरभ श्रीवास्तव, रजनीश कुमार और त्रिलोकी नाथ सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं व्यापारी मौजूद रहे।

एड्स कन्ट्रोल सोसाइटी के कर्मचारियों का आन्दोलन तेज, 15 अक्टूबर को लखनऊ में धरना

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

-मांगें पूरी नहीं हुईं तो 16 अक्टूबर से भूख हड़ताल और सेवाएं ठप करने की चेतावनी

बस्ती। उत्तर प्रदेश एड्स कंट्रोल सोसाइटी कर्मचारी संघ ने कर्मचारियों ने लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज कर दिया है। बुधवार को संघ की अध्यक्ष ज्योत्सना गुप्ता, महामंत्री सपना सिंह के नेतृत्व में कर्मचारियों ने जिला चिकित्साल, सी.एच.सी., पी.एच.सी. पर 10 सूत्रीय मांगों को लेकर 2 घंटे तक कार्य बहिष्कार किया। चेतावनी दिया कि मांगे न मानी गई तो 15 अक्टूबर को लखनऊ के इको गार्डन पार्क में विशाल धरना प्रदर्शन के बाद 16 अक्टूबर से भूख हड़ताल के साथ प्रदेश में एचआईवी/एड्स से संबंधित सेवाएं स्थगित कर दिया जायेगा।

संघ की अध्यक्ष ज्योत्सना गुप्ता ने बताया कि संघ की प्रमुख मांगों में कर्मचारियों का नियमितीकरण, नियमितीकरण न होने तक जॉब की सुरक्षा, 20 प्रतिशत अतिरिक्त मासिक पारिश्रमिक का भुगतान किये जाने, , 30 लाख रुपये के ग्रुप टर्म इंश्योरेंस का लाभ, तीन वर्ष के दौरान निकाले गए कर्मचारियों का पुनः समायोजन आदि की मांग शामिल है। इसके अलावा 10 वर्ष की सेवा पूरी कर चुके कर्मचारियों को अतिरिक्त अंक एवं आयु सीमा में पांच वर्ष की छूट देने, स्थानांतरण नीति लागू करने और कार्यस्थल पर कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी शामिल है। कार्य बहिष्कार करने वालों में प्रदेश उप कोषाध्यक्ष श्रवण कुमार पाण्डेय, आलोक कुमार लाल, अर्चना श्रीवास्तव, सीमा गुप्ता, ममता पाठक, राज नारायण तिवारी, श्रीनाथ मणि, सुयश श्रीवास्तव, रितेश प्रताप सहित अन्य पदाधिकारी, कर्मचारी शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक भारतीय बस्ती
बस्ती 15 अक्टूबर 2026 गुरुवार

सम्पादकीय

आम आदमी को राहत कब मिलेगी?

त्योहारों का मौसम है। बाजारों में रौनक है, दुकानों पर भीड़ है और हर परिवार चाहता है कि उसके घर में खुशियां आएं। लेकिन इस रौनक के बीच एक ऐसा सच भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। आम आदमी की जेब पर खर्च का बोझ बढ़ रहा है और घर का बजट संभालना लगातार मुश्किल होता जा रहा है। सवाल यह है कि जब रोजमर्रा की जरूरतें ही महंगी होती जाएंगी, तो आम परिवार अपनी खुशियों के लिए बचत कैसे करेगा?

महंगाई का असर केवल रसोई तक सीमित नहीं है। बच्चों की पढ़ाई, इलाज, बिजली, यात्रा और घर चलाने से जुड़े खर्च हर परिवार की चिंता हैं। सीमित आमदनी वाले व्यक्ति के सामने सबसे बड़ी परेशानी यह होती है कि वह किस खर्च में कटौती करे। बच्चों की पढ़ाई जरूरी है, बीमारी में इलाज टाला नहीं जा सकता और भोजन की जरूरत से समझौता करना भी संभव नहीं है। ऐसे में महंगाई का हर अतिरिक्त बोझ परिवार की आर्थिक स्थिति को कमजोर करता है।

हाल ही में जारी सरकारी आंकड़ों ने इस चिंता को और बढ़ा दिया है। सितंबर 2026 में देश की खुदरा महंगाई दर बढ़कर 5.54 प्रतिशत पहुंच गई, जबकि खाद्य महंगाई दर 7.74 प्रतिशत दर्ज की गई। अगस्त में खुदरा महंगाई 4.83 प्रतिशत और खाद्य महंगाई 5.97 प्रतिशत थी। ग्रामीण क्षेत्रों में खुदरा महंगाई 6.08 प्रतिशत रही, जो शहरी क्षेत्रों के 4.88 प्रतिशत से अधिाक है। ये आंकड़े बताते हैं कि कीमतों का दबाव खासकर ग्रामीण परिवारों के लिए गंभीर चिंता का विषय बना हुआ है।

महंगाई के इन आंकड़ों को केवल सरकारी रिपोर्ट समझकर छोड़ देना उचित नहीं होगा। इनके पीछे उन परिवारों की परेशानियां हैं, जिन्हें हर सप्ताह बाजार से सामान खरीदना पड़ता है। जिस व्यक्ति की आमदनी में कोई खास बढ़ोतरी नहीं हुई, उसके लिए जरूरी वस्तुओं की कीमतें बढ़ने का मतलब है कि अब पहले जितने पैसों में उतना सामान नहीं मिल पाएगा। यानी कमाई वही, लेकिन जरूरतें पूरी करने का खर्च अधिक।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि महंगाई का असर सभी पर एक जैसा नहीं पड़ता। अधिक आमदनी वाले परिवार कुछ अतिरिक्त खर्च आसानी से संभाल सकते हैं, लेकिन दिहाड़ी मजदूर, छोटे दुकानदार, कम वेतन पाने वाले कर्मचारी और गरीब परिवारों के पास ऐसे विकल्प सीमित होते हैं। महीने के अंत में जब जेब खाली होने लगती है, तब उन्हें अपनी जरूरतों को टालना पड़ता है या उधार का सहारा लेना पड़ता है। यही स्थिति धीरे–धीरे आर्थिक असुरक्षा को बढ़ाती है।

इस समस्या का समाधान केवल बयान देने या आंकड़े पेश करने से नहीं होगा। सरकारों को यह सुनिश्चित करना होगा कि बाजार में जरूरी वस्तुओं की आपूर्ति बनी रहे, जमाखोरी और कालाबाजारी पर प्रभावी कार्रवाई हो तथा उपभोक्ताओं को अनुचित कीमतें न चुकानी पड़ें। गरीब परिवारों के लिए खाद्य सुरक्षा योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचना चाहिए। साथ ही, स्थानीय प्रशासन को बाजारों की निगरानी और उपभोक्ताओं की शिकायतों के निस्तारण पर ध्यान देना होगा।

यह भी समझना जरूरी है कि महंगाई को नियंत्रित करने के लिए केवल बाजार पर निगरानी पर्याप्त नहीं है। उत्पादन, परिवहन, ईंधन और आपूर्ति व्यवस्था में आने वाली बाधाओं का समाधान भी जरूरी है। यदि खेती की लागत बढ़ती है, तो किसान परेशान होता है। यदि खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं, तो उपभोक्ता परेशान होता है। इसलिए ऐसी व्यवस्था की जरूरत है, जिसमें किसान को उसकी उपज का उचित मूल्य मिले और आम आदमी को जरूरी सामान उचित कीमत पर उपलब्ध हो।

महंगाई के साथ रोजगार और आमदनी का सवाल भी जुड़ा हुआ है। जिस परिवार की कमाई सीमित है, उसके लिए थोड़ी–सी कीमत वृद्धि भी बड़ा अंतर पैदा कर सकती है। इसलिए सरकारों को रोजगार के अवसर बढ़ाने, छोटे कारोबार को मजबूत करने और युवाओं को नियमित आमदनी वाले काम उपलब्ध कराने पर भी ध्यान देना होगा।

मजबूत नेतृत्व के साथ जवाबदेही जरूरी

लोकतंत्र में मजबूत नेतृत्व का महत्व अपनी जगह है, लेकिन किसी भी सरकार की असली कसौटी उसकी जवाबदेही होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को केवल सत्ता चलाने के लिए नहीं चुनती, बल्कि उनसे बेहतर शासन, पारदर्शिता और जनहित में फैसलों की उम्मीद भी करती है। इसलिए किसी नेता की लोकप्रियता और उसके कामकाज का मूल्यांकन अलग–अलग आधारों पर होना चाहिए।

मजबूत नेतृत्व कठिन परिस्थितियों में फैसले लेने, नीतियों को लागू करने और देश को स्पष्ट दिशा देने में मदद करता है। लेकिन नेतृत्व की मजबूती का अर्थ यह नहीं हो सकता कि सवाल पूछने की गुंजाइश कम हो जाए। लोकतंत्र की खूबसूरती ही यही है कि यहां सरकार के फैसलों पर चर्चा होती है, विपक्ष अपनी असहमति दर्ज कराता है और जनता को अपनी बात रखने का अधिकार मिलता है।

किसी नेता को लंबे समय तक जनता का समर्थन मिलना उसकी राजनीतिक स्वीकार्यता का संकेत हो सकता है। मगर चुनावी सफलता को हर नीति की सफलता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। बेरोजगारी, महंगाई, शिक्षा, स्वास्थ्य, किसानों की समस्याएं और सामाजिक सद्भाव जैसे मुद्दों पर सरकार के प्रदर्शन की समीक्षा जरूरी है। जनता को यह जानने का अधिाकार है कि चुनाव के समय किए गए वादों पर कितना काम हुआ और जिन समस्याओं के समाधान की उम्मीद थी, उनमें कितनी प्रगति हुई।

इसी तरह विपक्ष की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम केवल सरकार का विरोध करना नहीं, बल्कि नीतियों की कमियों को सामने लाना और बेहतर विकल्प प्रस्तुत करना है। यदि सरकार का हर फैसला बिना सवाल के स्वीकार किया जाने लगे, तो शासन की खामियों को दूर करने की प्रक्रिया कमजोर पड़ सकती है। दूसरी ओर, केवल विरोध के लिए विरोध करना भी लोकतांत्रिक जिम्मेदारी के अनुरूप नहीं है। आलोचना तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए और उसका उद्देश्य जनहित को आगे बढ़ाना होना चाहिए। मीडिया की जिम्मेदारी भी इस व्यवस्था में अहम है।

खबरों और विचारों के माध्यम से जनता तक सही जानकारी पहुंचाना, सत्ता से सवाल करना और सरकार के कामकाज की निष्पक्ष समीक्षा करना पत्रकारिता के प्रमुख दायित्व हैं। सत्ता और मीडिया के बीच स्वस्थ दूरी लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। जब किसी सरकार की उपलब्धियों की चर्चा हो, तब उसकी कमियों और चुनौतियों पर भी उतनी ही गंभीरता से बात होनी चाहिए। मजबूत लोकतंत्र केवल एक मजबूत नेता से नहीं बनता। उसके लिए स्वतंत्र संस्थाएं, निष्पक्ष व्यवस्था, सक्रिय नागरिक, जिम्मेदार विपक्ष और निर्भीक पत्रकारिता भी जरूरी हैं। सरकार की शक्ति तभी सार्थक होती है, जब उसका इस्तेमाल जनहित में हो और उसके फैसलों की समीक्षा करने के रास्ते खुले रहें।

कैंसर की दवाओं की कीमतों पर लगाम, अब मरीजों तक राहत पहुंचाना चुनौती

डॉ. ओ.पी. त्रिपाठी

सही मायने में इसे एक अमानवीय कृत्य ही कहा जाएगा कि कैंसर जैसे घातक रोग से जूझ रहे मरीजों से दवाओं के मनमाने दाम वसूले जाएं। इस जानलेवा रोग से जूझ रहे मरीजों को यूं तो उपचार की अन्य मदों में भी काफी खर्च करना पड़ता है, लेकिन दवाओं की अधिक कीमतों पर नियंत्रण लगाया जाना किसी हद तक राहतकारी साबित हो सकता है। अब केंद्र सरकार ने नॉन–शेड्यूल्ड एंटी–कैंसर दवाइयों पर ट्रेड मार्जिन को तीस फीसदी तक सीमित करने का फैसला किया है। सरकार का कहना है कि इस कदम का उद्देश्य दवाओं की कीमतों में शामिल अत्यधिक ट्रेड मार्जिन को कम करना है, ताकि कैंसर के इलाज में इस्तेमाल होने

वाली जीवन रक्षक दवाएं मरीजों के लिए अधिक किफायती हो सकें। निस्संदेह, यह कदम उस हेल्थकेयर क्षेत्र में एक स्वागत योग्य पहल है, जहां मरीजों को अधिक पैसा चुकाने को मजबूर होना पड़ता है। दरअसल, कैंसर का त्रास झेल रहे व्यक्ति व उसके परिवार पर इस रोग का उपचार आर्थिक रूप से भारी बोझ डालता है। ऐसे में कैंसर रोग में काम आने वाले दवाइयों की कीमत में कमी लाने का प्रयास समय की जरूरत भी है।

कैंसर दुनिया भर में मौत के प्रमुख कारणों में से एक है। भारत में भी कैंसर एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है,

जिसके मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि होने का अनुमान है। भारत में हर एक लाख लोगों में से लगभग 100 लोगों को कैंसर है, इसकी पहचान हो पाती है। वर्ष 2024 में भारत में लगभग 16 लाख नए कैंसर के मामले दर्ज किए गए और करीब 9 लाख लोगों की मौत इस बीमारी से होने का अनुमान है। यदि यही रफ्तार जारी रही, तो वर्ष 2050 तक भारत में हर साल नए कैंसर मरीजों

की संख्या 28 लाख तक पहुंच सकती है। अन्य अनुमानों के अनुसार, वर्ष 2045 तक यह आंकड़ा 24.5 लाख से अधिक हो सकता है। साल 2024 में भारत में पिछले 5 वर्षों के दौरान कैंसर से पीड़ित रहे जीवित लोगों की अनुमानित संख्या करीब 33.2 लाख थी। भारत में स्तन कैंसर, मुंह का कैंसर, गर्भाशय ग्रीवा का कैंसर, फेफड़ों और पेट का कैंसर सबसे ज्यादा देखे जाते हैं।

विशेषज्ञों के अनुसार, लोग पहले की तुलना में अधिक लंबा जीवन जी रहे हैं, और उम्र बढ़ने के साथ कैंसर का जोखिम प्राकृतिक

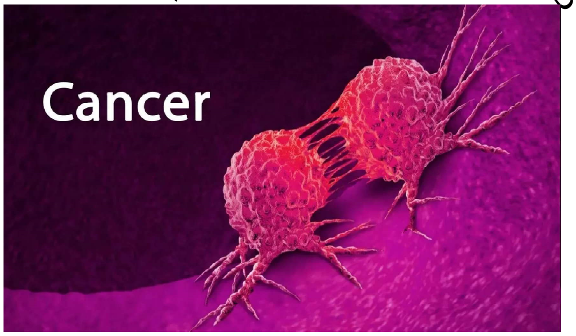

रूप से बढ़ जाता है। खान–पान में बदलाव, शारीरिक गतिविधियों की कमी (मोटापा), जंक फूड का सेवन, और शराब का अधिक उपयोग इसके बड़े कारण हैं। सिगरेट, बीड़ी, गुटखा और खैनी का सेवन भारत में मुंह और गले के कैंसर का सबसे प्रमुख कारण है। बढ़ता वायु प्रदूषण और अन्य हानिकारक तत्वों के संपर्क में रहना भी कैंसर के जोखिम को बढ़ा रहा है। स्वास्थ्य सेवाओं और

स्क्रीनिंग कार्यक्रमों में सुधार के कारण अब शुरुआती स्तर पर ही अधिक मामलों की पहचान हो पा रही है। कैंसर का इलाज काफी खर्चीला होता है और कई परिवार कर्ज या संपत्ति बेचने के लिए मजबूर हो जाते हैं। एक औसत भारतीय

परिवार की सालाना आय है दो से पांच लाख रुपये। परिवार में किसी को कैंसर हो जाए तो इलाज में 10 से 30 लाख रुपये तक

लग सकते हैं। 60 से 70 फीसदी मरीज आर्थिक स्थिति बिगड़ने की वजह से इलाज बीच में ही छोड़ देते हैं।नए फैसले की खास बात यह है कि इसमें गैर–अनुसूचित श्रेणी की कैंसर रोधी दवाओं को व्यापक रूप से शामिल किया गया है।

यानी ब्रांडेड और जेनेरिक, देश में बनी और आयातित तथा पेटेंट और गैर–पेटेंट दवाओं पर ट्रेड मार्जिन की सीमा लागू होगी। इसका मकसद दवा की कीमत और मरीज द्वारा चुकाई जाने वाली वास्तविक राशि के बीच के अंतर को कम करना है। यह फैसला 2019 में मोदी सरकार द्वारा किए गए हस्तक्षेप की अगली कड़ी है। उस समय 526 ब्रांड की कैंसर दवाओं को लेकर किए गए

कदम से सालाना करीब 984 करोड़ रुपये की बचत होने की बात सामने आई थी। अब नए फैसले के जरिए गैर–अनुसूचित कैंसर

दवाओं पर ट्रेड मार्जिन को सीमित कर सरकार ने मरीजों के लिए इलाज को अधिक किफायती बनाने पर जोर दिया है। सरकार का अनुमान है कि दवाइयों की कीमतों में नये सिरे से नियमन के जरिये मरीजों को हर साल 2,500 करोड़ रुपये तक की

बचत होगी। इस बाबत दावा किया जा रहा है कि कुछ दवाइयों की कीमतों में सत्तर फीसदी तक की कमी आ सकती है। हालांकि,

मरीजों को लाभ के आंकड़े अनुमानित हैं और इनकी हकीकत प्रावधानों के लागू होने पर ही स्पष्ट हो पायेगी। वास्तव में सबसे

पहले यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि दर्शायी जा रही राहत वास्तव में मरीजों तक भी पहुंचे। समय रहते अधिकारियों को तुरंत

उन दवाओं की जानकारी मरीजों व तीमारदारों को देनी चाहिए, जिन पर यह कटौती लागू की गई है। साथ ही दर्ज की गई

कीमतों में बदलाव को भी स्पष्ट करना चाहिए। इसके अलावा नियमों का पालन सुनिश्चित करने पर नजर रखी जानी चाहिए।

दूसरी ओर ज्यादा कीमत वसूलने वालों पर जुर्माना लगाया जाना चाहिए। सरकार को यह भरोसा भी कायम करना होगा कि नई कीमत नियमन के लागू होने के बाद दवा कंपनियां सप्लाई यथावत बनाये रखेंगी। सही मायने में कीमतों में आई असली कमी मरीजों की बचत और दवाइयों की उपलब्धता की समय–समय पर जानकारी देने से ही सुनिश्चित हो सकेगी। तभी पता चलेगा कि यह कदम वास्तव में कितना कारगर है। दरअसल, सरकार द्वारा कैंसर के मरीजों को राहत देने का यह प्रयास नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी के 2019 के उस फैसले को ही आगे बढ़ाता है, जिसमें 42 नॉन–शेड्यूल्ड कैंसर–रोधी दवाओं को शामिल किया गया था। दावा किया जाता रहा है कि उस पहल के उपरांत दवाइयों के 526 ब्रांड्स में वार्षिक रूप से 984 करोड़ रुपये की बचत मरीजों को हुई थी। अतरू पिछला अनुभव बताता है कि ट्रेड मार्जिन कोरेगुलेट करने से पूरी मार्केट में एक जैसी कीमतें लागू किए बिना भी मरीजों को वास्तविक लाभ जमीनी स्तर पर मिल सकता है।

युद्ध में किसी की जीत नहीं, हारती है सिर्फ मानवता

–संजीव ठाकुर–

ष्युद्ध किसी समस्या का समाधान नहीं है, यह तो केवल नए और विकराल घाव पैदा करता है महात्मा गांधी,जब हम रूस–यूक्रेन युद्ध, इजराइल–फिलिस्तीन संघर्ष और अमेरिका–ईरान–इजराइल के बीच सुलगते मध्य–पूर्व के तनाव को एक साथ देखते हैं, तो एक ही कड़वी सच्चाई सामने आती है इन युद्धों में न कोई देश जीतता है, न कोई हारता हैय यहाँ केवल और केवल श्मानवताश हारती है। हर एक धमाके के साथ इंसानियत की आत्मा और संवेदना का एक और टुकड़ा हमेशा के लिए दम तोड़ देता है।

वर्तमान संघर्षों का विदारक सच रक्तपात के अंतहीन सिलसिले हैं, आज विश्व के विभिन्न भू–भागों में जो भू–राजनीतिक संघर्ष चल रहे हैं, उन्होंने मानव इतिहास के सबसे काले अध्यायों की याद ताजा कर दी है।फरवरी 2022 में शुरू हुआ रूस और यूक्रेन का यह खूनी संघर्ष अब अपने चौथे वर्ष में प्रवेश कर चुका है।

आज की इस इक्कीसवीं सदी में, जिसे हम विज्ञान, तकनीकी क्रांति, अंतरिक्ष अन्वेषण और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का स्वर्णिम युग कहते हैं, पृथ्वी का एक बड़ा हिस्सा बारूद के ढेर पर बैठा है। उत्तर से लेकर दक्षिण और पूरब से लेकर पश्चिम तक, मानवता निरंतर जारी संघर्षों की आग में झुलस रही है। यूक्रेन के मैदानों से लेकर गाजा की मलबे में तब्दील गलियों तक, और लेबनान से लेकर पश्चिम एशिया के आसमान में गूंजती मिसाइलों की आवाजों तक यह सब इस बात का प्रमाण है कि आधुनिक सभ्य समाज आज भी पाषाण युग की हिंसक प्रवृत्तियों से बाहर नहीं निकल पाया है।

भू–राजनीतिक वर्चस्व और नाटो के विस्तार की खींचतान में शुरू हुई इस लड़ाई ने दोनों तरफ के हजारों युवाओं को मौत के मुंह में धकेल दिया है। यूक्रेन के शहर खंडहर में बदल चुके हैं, स्कूल, अस्पताल और ऊर्जा संयंत्र मलबे का ढेर बन चुके हैं। लाखों लोग शरणार्थी बनने को मजबूर हैं। ठंड में ठिठुरते बच्चे, अपनों को खोती माएं और बंजर होते खेत इस बात की गवाही दे रहे हैं कि यह युद्ध सिर्फ सरहदों का नहीं, बल्कि इंसानियत के पतन का दस्तावेज है।

अक्टूबर 2023 से मध्य–पूर्व में शुरू हुआ इजराइल और हमास (फिलिस्तीन) का संघर्ष मानवता के माथे पर एक ऐसा कलंक है जो कभी मिटाया नहीं जा सकता। गाजा पट्टी पर बरसते बमों ने हजारों मासूम बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को लील लिया है। अस्पताल, शरणार्थी शिविर और राहत सामग्री के ट्रक तक सुरक्षित नहीं हैं। भोजन, पानी और दवाइयों की घोर कमी ने एक मानवाधिकार संकट पैदा कर दिया है। दूसरी ओर, इजराइल के नागरिकों के दिलों में भी डर और अनिश्चितता का आतंक है। यह संघर्ष इस बात का प्रतीक है कि सदियों पुरानी नफरत और जमीन के टुकड़ों की जिद कैसे इंसानों को दरिंदा बना देती है।

पश्चिम एशिया में अमेरिका की रणनीतिक दखलंदाजी, ईरान के क्षेत्रीय प्रभाव और इजराइल की सुरक्षा की जिद्द ने इस पूरे क्षेत्र को एक बारूद के ढेर में बदल दिया है। मिसाइल हमलों, ड्रोन हमलों और गुप्त हत्याओं के दौर ने पूरी दुनिया को परमाणु युद्ध के साए में ला खड़ा किया है। एक गलत कदम पूरी मानव सभ्यता को राख के ढेर में बदल सकता है। यहाँ संघर्ष सिर्फ हथियारों का नहीं, बल्कि कूटनीति की विफलता और वर्चस्व की अंधी हवस का है। न कोई जीत, न कोई हाररू केवल संवेदनाओं का नरसंहार

युद्ध के मैदान में चाहे कोई भी झंडा फहराए, अंततः विजय केवल मृत्यु की होती है। पारंपरिक रूप से यह माना जाता रहा है कि युद्ध से कोई एक पक्ष जीतता है और दूसरा हारता है, किंतु आधुनिक युद्धों का गणित पूरी तरह बदल चुका है। युद्ध में खर्च होने वाला खरबों डॉलर का धन यदि शिक्षा, स्वास्थ्य, भुखमरी मिटाने और जलवायु परिवर्तन से लड़ने में लगाया जाए, तो यह धरती स्वर्ग बन सकती है। लेकिन दुर्भाग्य से, इंसानी बुद्धिमत्ता विध्वंस के साधान जुटाने में व्यस्त है। जो बच्चे आज बमों की आवाज के बीच बड़े हो रहे हैं, उनके अवचेतन मन में जो डर और हिंसा भर रही है, वह आने वाली कई पीढ़ियों को विक्षिप्त कर देगी। युद्ध सिर्फ शरीर को नहीं मारता, यह जीवित लोगों की आत्मा को अंदर से दीमक की तरह चाट जाता है।

जब टीवी स्क्रीन पर हजारों लोगों की मौत की खबरें रोजाना आने लगती हैं, तो इंसानी समाज इतना अभ्यस्त हो जाता है कि वह लाशों की गिनती पर भी संवेदना खो बैठता है। यही संवेदना की वास्तविक मृत्यु हैकृजब दर्द सिर्फ एक श्आंकड़ाश बनकर रह जाए।

जब–जब मानव जाति ने अहंकार और हिंसा का मार्ग अपनाया है, तब–तब महान संतों, विचारकों और दार्शनिकों ने हमें आगाह किया है। उनके ये वचन आज के दौर में और अधिक प्रासंगिक हो गए हैंरू

आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देगी। महात्मा गांधी

गांधीजी का यह सत्य आज यूक्रेन और गाजा के मैदानों में अक्षरशः सच साबित हो रहा है। हिंसा का उत्तर हिंसा से देने की इस अंधी दौड़ में आज पूरी दुनिया वैचारिक और नैतिक रूप से अंधी हो चुकी है।

ष्मैं नहीं जानता कि तीसरे विश्व युद्ध में कौन से हथियार लड़े जाएंगे, लेकिन चौथे विश्व युद्ध में इंसान लाठी और पत्थरों से लड़ेंगे। अल्बर्ट आइंस्टीन

महान वैज्ञानिक आइंस्टीन की यह चेतावनी आधुनिक परमाणु हथियारों से लैस दुनिया के लिए एक सीधी ललकार है। यदि युद्ध नहीं रुके, तो हमारी आधुनिक सभ्यता अपनी ही तकनीक के बोझ तले दफन हो जाएगी और हम फिर से पाषाण युग में लौटने को विवश होंगे।

भारत के प्रथम प्रधानमंत्री का यह कथन आज के राजनेताओं और युद्ध के सौदागरों के चेहरे पर एक करारा तमाचा है। कुर्सी और सत्ता के सिंहासन पर बैठे लोग जंग का ऐलान करते हैं, और अपनी जान गंवाते हैं वे मासूम सैनिक और नागरिक जिनका उस राजनीति से कोई लेना–देना नहीं होता।

सत्ता से इतिहास तक का सफर

–उमेश चतुर्वेदी–

सात अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने जब गुजरात के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, तब कोई नहीं सोच रहा था कि मोदी एक साल का भी कार्यकाल पूरा कर पाएंगे। राजनीतिक जानकारों और गुजरात के लोगों की इस सोच के पीछे कुछ खास वजहें भी थीं। मोदी के गुजरात का सरदार बनने से पहले के पांच वर्षों में राज्य में एक–एक करके चार मुख्यमंत्री आए और चले गए थे। मोदी राज्य के किसी ताकतवर जाति समुदाय से भी नहीं हैं और सबसे बड़ी बात कि मुख्यमंत्री बनने से पहले उन्होंने कोई चुनाव भी नहीं लड़ा था। हां, पर्दे के पीछे की राजनीति के मंजे हुए खिलाड़ी के तौर पर वे स्थापित थे। इतना ही नहीं, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू–कश्मीर राज्यों के बीजेपी प्रभारी के रूप में भी अपनी सियासी समझ का भी वे लोहा मनवा चुके थे। लेकिन वक्त के साथ, मोदी ने सभी आशंकाओं को ना सिर्फ खारिज कर दिया है, बल्कि चौथाई सदी तक लगातार सत्ता का केंद्र बिंदु रहने वाले वाली शख्सियत भी बन चुके हैं। इसके पहले मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ज्योति बसु के नाम देश में सबसे लंबे समय यानी करीब 23 साल सत्ता संभालने का रिकॉर्ड था। मोदी उस रिकॉर्ड से भी काफी आगे बढ़ चुके हैं। हाल के दिनों में एक वरिष्ठ हिंदी पत्रकार मोदी मार्ग की अवधारणा देकर आलोचनाओं के केंद्र में हैं। मोदी मार्ग की चर्चा हो तो वामपंथी तो सांड़ की तरह भड़केंगे ही, वे समाजवादी भी वरिष्ठ पत्रकार के आलोचक हो गए हैं, जो कभी उनके सहयोगी रहे या वे उनके साथी रहे। बेशक मोदी मार्ग की इन दिनों आलोचना हो रही है, लेकिन आने वाले दिनों में जब नरेंद्र मोदी का अपना और उनके दौर के भारत का इतिहास लिखा जाएगा, निश्चित तौर पर मोदी मार्ग या मोदीत्व की अवधारणा को भी स्वीकार किया जाएगा।

किसी शख्सियत के जरिए शुरू पंथ या वैचारिक धारा को उसके जीवन काल में सर्व मान्यता और स्वीकार्यता कम ही मिल पाती है। लेकिन जब वही शख्सियत इतिहास की धारा में विलीन हो जाती है, तो उसकी दिखाई राहों को पंथ का दर्जा मिलने लगता है। गांधी बेशक अपनी जिंदगी में ही महात्मा के रूप में स्थापित हो चुके थे, लेकिन उनके कई प्रयोगों की उसी तरह आलोचनाएं होती रहीं, जैसे आज मोदी के वैचारिक विरोधी उनके तमाम कदमों की कटु आलोचनामें लीन रहते हैं। वैसे भी लोकतांत्रिकक दौर के भारतीय समाज की एक धारा रही है। शुरू में वह पदधारकों का शुरू में स्वागत करता है, बाद में उसका विरोधी हो जाता है। लेकिन वही शख्सियत जब इतिहास में समाहित हो जाती है, कुछ अपवादों को छोड़ समाज उसका घोर प्रशंसक हो जाता है। बीजेपी की ही राजनीति का उदाहरण इस संदर्भ में ले सकते हैं। एक दौर में बीजेपी विरोधियों की नजर में अटल उदार थे, जबकि आडवाणी कट्टर। लिहाजा आडवाणी लगातार विरोधियों के निशाने पर रहे। लेकिन जैसे ही अटल युग की समाप्ति हुई और मोदी युग की ओर बीजेपी बढ़ चली, आडवाणी उन्हीं विरोधियों की नजर में आदर के पात्र होते गए और मोदी के कटु आलोचकों की संख्या बढ़ती गई। कुछ इसी अंदाज में कह सकते हैं कि आने वाले दिनों में भारतीय जनता पार्टी की राजनीति में कोई अन्य नेता उभरा तो हो सकता है कि मोदी बीजेपी विरोधियों की नजर में ही प्रशंसा का पात्र बन जाएं और बीजेपी का भावी नेता आडवाणी और मोदी की तरह आलोचनाओं के केंद्र में आ जाए। सत्ता की राजनीति में मोदी की यात्रा पर निगाह डालते हैं तो उनकी सबसे बड़ी चुनौती खुद की स्वीकार्यता बढ़ाना रही। जिस तरह चौथाई सदी से वे सत्ता के केंद्र में हैं, उसे देख कह सकते हैं कि इसमें वे कामयाब रहे हैं। इतना ही नहीं, वे सबसे ज्यादा समय तक सत्ता को खुद के इर्द–गिर्द केंद्रीकृत करने में भी सफल रहे हैं। आज भारत की केंद्रीय सत्ता ही नहीं, भारतीय जनता पार्टी का संगठन भी उन्हीं के इर्द–गिर्द केंद्रित है और उन्हीं से शक्ति ग्रहण करता है। यह मोदी का दुर्भाग्य रहा कि उनके गुजरात की सत्ता संभालने के महज छह महीने बाद ही राज्य को गोधरा कांड के चलते भयानक सांप्रदायिक दंगों का सामना करना पड़ा। गुजरात सरकार की रिपोर्ट के अनुसार इन दंगों में 1044 लोगों के मारे गए , जबकि 2548 लोग घायल हुए थे। इसके अलावा 223 लोग लापता बताए गए। दंगों के सात साल बीतने के बाद सरकार के ही अनुसार, लापता लोगों की संख्या कुछ बढ़ गई। इन दंगों के बाद नरेंद्र मोदी विशेषकर कांग्रेस और वामपंथी दलों के निशाने पर आ गए। देश के वामपंथी सोच से प्रभावित स्वयंसेवी संगठनों ने उनके खिलाफ राष्ट्रीय स्तर पर मोर्चा खोल दिया। एक तरह से मोदी को राजनीतिक घृणा का पात्र बनाने की कोशिश की गई। उनके चरित्र हनन तक की कोशिशें हुईं। गुजरात दंगों के साथ ही इशरत जहां मुठभेड़ कांड को लेकर उनके खिलाफ सीबीआई जांच हुई। सीबीआई के समक्ष बतौर मुख्यमंत्री पूछताछ के लिए उन्हें कई बार घंटों तक उपस्थिति जतानी पड़ी और बतौर मुख्यमंत्री उन्हें घंटों तक सीबीआई के अच्छे–बुरे सवालों का सामना करना पड़ा। गुजरात दंगों के दाग के चलते एक दौर में उन्हें अमेरिका ने वीजा देने से इनकार कर दिया। इस बिंदु पर देखें तो मोदी का जीवट व्यक्तित्व उभरता है। कह सकते हैं कि तिरस्कार और आलोचनाओं से वे ताकत ग्रहण करते हैं, कुछ–कुछ मिथकीय पात्र बालि की तरह। जिस तरह बालि के सामने आए उसके विरोधियों की आधी ताकत बालि में ही समाहित हो जाती थी, मोदी कुछ उसी तरह विरोधियों की आलोचनाओं से ताकत ग्रहण करते हैं

कारोबारी हत्याकांडः नेपाल भागी शिवा मर्डर की आरोपी श्रद्धा एक महिला और दो पुरुषों के भी सीमा पार करने की आशंका

संवाददाता–बहराइच। हत्यारोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की कार नेपाल बार्डर से बरामद की गई है। आशंका जताई जा रही है कि रुपईडीहा रूट से श्रद्धा चार दिन पहले ही नेपाल फरार हो गई है।

लखनऊ के बहुचर्चित कारोबारी शिवा शर्मा हत्याकांड की मुख्य आरोपी मॉडल श्रद्धा दुबे की एसयूवी कार बहराइच के भारत–नेपाल सीमा से सटे रुपईडीहा में मिली है। कहा जा रहा है कि नेपालगंज जाने की बातकहकर वह निकली थी। उधर, लखनऊ की पुलिस रुपईडीहा कस्बे से सीसीटीवी कैमरे खंगाल रही हैं। आशंका जताई जा रही है कि रुपईडीहा रूट से श्रद्धा चार दिन पहले ही नेपाल फरार हो गई है।

बुधवार सुबह रुपईडीहा कस्बे में संदिग्ध एसयूवी शुक्ला पार्किंग में खड़ी होने की सूचना पुलिस को मिली थी। काफी खोजबीन के बाद दोपहर करीब 3 बजे तक इसका कोई वारिस नहीं मिला। जांच में पुष्टि हुई कि यह वाहन आरोपी श्रद्धा दुबे का है। बताया जा रहा है कि गाड़ी यूपी–32 एयू 0111 पिछले 10 अक्टूबर से शुक्ला पार्किंग में खड़ी थी। लखनऊ की पुलिस भी पहुंची है,जो सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है।

आपको बता दें कि लखनऊ में अपार्टमेंट के चौथे तल से संदिग्ध हालात में गिरकर शुक्रवार रात विकन कारोबारी व कैफे संचालक शिवा शर्मा की मौत हो गई। शिवा अलीगंज कपूरथला में रहते थे। शिवा की मां रंजना ने मॉडल श्रद्धा पर बेटे को झूठे मुकदमे में फंसाने, सिगरेट से जलाने, माफिया और कई नामचीन लोगों से धमकी दिलाने का आरोप लगाया है। शिवा एक साल से मॉडल श्रद्धा दुबे के साथ लिवइन में रह रहे थे। पीड़ित मां ने श्रद्धा उसकी बहन रश्मि समेत चार के खिलाफ हजरतगंज कोतवाली में हत्या का मुकदमा दर्ज कराया है। घटना के बाद से श्रद्धा उसकी बहन समेत अन्य आरोपी फरार हैं।

नेपाल श्रद्धा की मुफीद पनाहगाह है। पुलिस की पूछताछ में श्रद्धा से जुड़े कई लोगों ने बताया कि श्रद्धा का अकसर नेपाल आना जाना रहता था। वहां के कई लोगों से वह संपर्क रही है। इसके अलावा कई नामचीन इवेंट कंपनी के संचालकों और स्टेज–फैशन शो कराने वाले नामचीन लोगों श्रद्धा के करीबी थे। उनका श्रद्धा से अक्सर मिलना जुलना था। पुलिस की रडार पर इवेंट कंपनी संचालक और स्टेज–फैशन शोर कराने वाले भी रडार पर हैं। श्रद्धा ने हजरतगंज कोतवाली में कुछ महीने पहले व्यवसायी रिजवान के खिलाफ छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था। मामले में पुलिस ने व्यवसायी रिजवान के खिलाफ चार्जशीट भी दाखिल की। इस मामले में श्रद्धा के खिलाफ वसूली के आरोप लगे थे कि उसने रुपये ऐंठने के लिए यह मुकदमा दर्ज कराया है। हजरतगंज पुलिस इस बिंदु पर भी जांच कर रही है।

ससुराल लौटने के बाद महिला की संदिग्ध मौत, पति के खिलाफ हत्या का केस

संवाददाता–देवरिया। सिन्दुरिया थाना क्षेत्र के ग्राम हरिहरपुर टोला अकटहवा में ससुराल लौटी एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। बुधवार सुबह कमरे में मां का शव देख बच्चों ने चीख–पुकार मचाया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस मामले में पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर उसे हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक मृतका कुछ समय पहले ससुराल लौटी थी। मंगलवार की रात किसी बात को लेकर पति–पत्नी के बीच फिर से विवाद हुआ था। विवाद के बाद दोनों एक ही कमरे में सोने चले गए। बताया जा रहा है कि घटना की रात करीब 2 बजे मृतका की बेटी खुशी ने अपनी मां के चिल्लाने की आवाज सुनी थी। इसके बाद बुधवार सुबह बच्चों ने कमरे में मां को मृत अवस्था में देख शोर मचाया। इसके बाद आसपास के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलते ही सिन्दुरिया थाने की पुलिस व फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई। टीम ने घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस मामले में थानाध्यक्ष अनूप तिवारी ने बताया कि मृतका के भाई की तहरीर पर आरोपी पति के खिलाफ हत्या का केस पंजीकृत कर लिया गया है। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में जरूरी कार्रवाई की जा रही है।

समस्याओं को लेकर पूर्व विधायक के नेतृत्व में ग्रामीणों का प्रदर्शन

संवाददाता–देवरिया। भागलपुर ब्लॉक के तेलिया शुक्ल गांव व आस पास के ग्रामीणों ने समस्याओं को लेकर रामजानकी मार्ग पर प्रदर्शन कर धरना दिया। करीब चार घण्टे तक चले धरने में लोगों ने समस्याओं का निराकरण न होने पर व्यापक आंदोलन की चेतावनी दी। मौके पर पहुंचे तहसीलदार ने ज्ञापन लेकर धरना समाप्त कराया।

बुधवार को पूर्व विधायक स्वामीनाथ यादव के नेतृत्व में ग्रामीण सड़क पर उतर गए। रामजानकी मार्ग पर कुछ देर प्रदर्शन व सड़क जाम करने के बाद लोग किनारे धरने पर बैठ गए। 27 सूत्रीय मांगों को लेकर सुबह 9 बजे शुरू हुआ धरना 12 बजे के बाद तक चला। पूर्व विधायक स्वामीनाथ यादव ने कहा कि देश में बढ़ती महंगाई, चोरी, डकैती, फिरौती, हत्या, बलात्कार, लूट, जनधन लूट और वसूली से आम लोग परेशान हैं। वहीं क्षेत्र में सड़कों की बदहाली और विद्युत कटौती जैसी समस्याओं से जनता त्रस्त है। ग्रामीणों ने तेलिया कला गांव के पास बाढ़ राहत के लिए बनाए गए दो पुलों को फिर से चालू कराने, रामजानकी मार्ग का मानक के अनुसार निर्माण कराने सहित अन्य समस्याओं के निराकरण की मांग कर रहे थे।

बाद में धरना स्थल पर पहुंचे तहसीलदार ने ज्ञापन लेकर धरना समाप्त कराया। पूर्व विधायक के अलावस अच्छेलाल व रवि प्रताप सिंह ने सम्बोधित किया।

बदलते दौर में शिक्षण को नवाचार से जोड़ें शिक्षक –संजय शुक्ल

–आवश्यकता आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण सम्पन्न

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में चल रहे तीन दिवसीय आवश्यकता आधारित प्रशिक्षण का बुधवार को समापन हो गया। प्रशिक्षण में शिक्षकों को डिजिटल लर्निंग, समावेशी शिक्षा और नवाचार आधारित शिक्षण के गुर सिखाए गए। समापन पर शिक्षकों ने सीखे गए नवाचारों को विद्यालयों में लागू करने का संकल्प लिया।

समापन अवसर पर डायट प्राचार्य एवं उप शिक्षा निदेशक संजय कुमार शुक्ल ने कहा कि शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की रीढ़ हैं। शिक्षक सशक्त तो समाज समृद्ध के मूल मंत्र के साथ आयोजित यह प्रशिक्षण शिक्षकों की शिक्षण क्षमता को प्रभावी बनाने में सहायक होगा। उन्होंने शिक्षकों से राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के अनुरूप कक्षा शिक्षण को रुचिकर, गतिविधि आधारित और प्रभावी बनाने का आह्वान किया। वरिष्ठ प्रवक्ता महेंद्र नाथ त्रिपाठी ने कहा कि प्रशिक्षण से शिक्षकों को नई शिक्षण विधियों और नवाचारों को समझने का अवसर मिलता है। इनका कक्षा शिक्षण में प्रभावी उपयोग कर बच्चों की सीखने की क्षमता और शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार किया जा सकता है। प्रशिक्षण के नोडल एवं प्रवक्ता अमन सेन ने बताया कि तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शिक्षकों को डिजिटल लर्निंग, समावेशी शिक्षा, कक्षा–कक्ष प्रबंधन, शिक्षण–अधिगम सामग्री के प्रभावी उपयोग तथा बच्चों में तार्किक क्षमता विकसित करने के तरीकों की जानकारी दी गई। समूह चर्चा, व्यावहारिक गतिविधियों और प्रस्तुतिकरण के माध्यम से शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई। प्रतिभागी शिक्षकों ने प्रशिक्षण को उपयोगी और व्यवहारिक बताते हुए कहा कि इससे उन्हें शिक्षण की नई तकनीकों को समझने और कक्षा में प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिलेगी। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

कार्यक्रम में डॉ. गोविन्द प्रसाद, कल्याण पाण्डेय, डॉ रविनाथ, अलीउद्दीन, वर्षा पटेल, शशि दर्शन त्रिपाठी सहित जनपद के विभिन्न विकास खंडों से आए शिक्षक–शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

जनता दर्शन में बच्ची की प्रतिभा देख प्रभावित हुए डीएम, अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए मां को किया प्रेरित

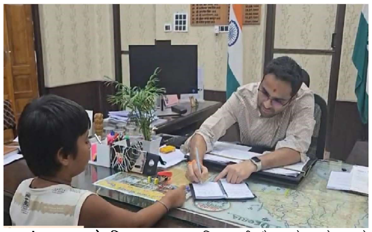

संवाददाता–देवरिया। जनता दर्शन में फरियादियों की समस्याएं सुन रहे जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी की नजर अपनी मां के साथ पहुंची एक नन्ही बच्ची पर पड़ी। बच्ची से बातचीत के दौरान डीएम ने उसकी पढ़ाई और प्रतिभा के बारे में जानकारी ली। उसके जवाब सुनकर जिलाधिकारी प्रभावित हुए और मां को बेटी की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने के लिए प्रेरित किया। जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी ने बच्ची से सहज अंदाज में पूछा कि वह स्कूल क्यों नहीं गई है। इसके बाद उन्होंने उससे पढ़ाई से जुड़े कुछ सवाल किए। बच्ची ने सवालों के जवाब दिए तो डीएम ने उसकी प्रतिभा की सराहना की। जिलाधिकारी ने बच्ची की मां से कहा कि उनकी बेटी प्रतिभाशाली है। उसे आगे बढ़ाने और अच्छी शिक्षा दिलाने के लिए प्रयास करना चाहिए। उन्होंने बच्ची के बेहतर भविष्य के लिए पढ़ाई का

एक ओर जिलाधिकारी जनता दर्शन में लोगों की समस्याएं सुनकर उनके समाधान की प्रक्रिया आगे बढ़ा रहे थे, वहीं दूसरी ओर उन्होंने बच्ची की प्रतिभा को पहचानकर उसके भविष्य की चिंता भी की। उनका यह सहज और संवेदनशील अंदाज वहां मौजूद लोगों के बीच चर्चा का विषय बन गया। इस घटना ने बच्चों की प्रतिभा पहचानने और उन्हें बेहतर शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का संदेश दिया। छोटी उम्र में बच्चों को प्रोत्साहन और सही मार्गदर्शन मिले तो वे आगे बढ़ने के लिए प्रेरित हो सकते हैं।

मण्डलीय क्रिकेट प्रतियोगिता में बस्ती का दबदबा, दो वर्गों में जीता खिताब

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शहीद सत्यवान सिंह स्पोर्ट्स स्टेडियम में बुधवार को आयोजित मंडलीय स्तरीय माध्यमिक विद्यालयीय क्रिकेट प्रतियोगिता में बस्ती की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अंडर–19 बालक और सीनियर वर्ग का खिताब अपने नाम किया। अंडर–19 में बस्ती ने सिद्धार्थनगर को छह विकेट से हराया, जबकि सीनियर वर्ग के फाइनल में संतकबीरनगर को 18 रन से शिकस्त दी। अंडर–17 बालक वर्ग में सिद्धार्थनगर की टीम विजेता रही।

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खलीलपट्टी के तत्वावधान में आयोजित प्रतियोगिता का उद्घाटन क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी दिलीप कुमार, राजकीय इंटर कॉलेज बस्ती के प्रधानाचार्य डॉ. विजय प्रकाश और आयोजक विद्यालय के प्रधानाचार्य उदयभान सिंह ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण व पूजन कर तथा खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। प्रतियोगिता में बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीरनगर के खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में प्रतिभाग किया। अंडर–19 बालक वर्ग के उद्घाटन मुकाबले में सिद्धार्थनगर ने निर्धारित 10 ओवर में चार विकेट खोकर 79 रन बनाए। जवाब में बस्ती ने नौ ओवर में चार विकेट के नुकसान पर 82 रन बनाकर छह विकेट से जीत दर्ज की। बस्ती की ओर से पवन ने 24 और प्रिंस यादव ने 27 रन बनाए। सिद्धार्थनगर के सलीम ने 49 रन बनाने के साथ दो विकेट भी हासिल किए। अंडर–17 बालक वर्ग में सिद्धार्थनगर ने बस्ती को 19 रन से पराजित किया। इस वर्ग में दो टीमों के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें सिद्धार्थनगर को प्रथम और बस्ती को द्वितीय स्थान मिला।सीनियर वर्ग का फाइनल मुकाबला बस्ती और संतकबीरनगर के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए बस्ती ने 10 ओवर में 67 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी संतकबीरनगर की टीम निर्धारित ओवरों में 49 रन ही बना सकी। इस तरह बस्ती ने 18 रन से जीत हासिल की। इस वर्ग में बस्ती विजेता, संतकबीरनगर उपविजेता और सिद्धार्थनगर तीसरे स्थान पर रहा। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों के चयन की जिम्मेदारी रमेश चंद्र गुप्ता, राकेश कुमार राय, सुशील कुमार चौधरी, सुभाष यादव, आलोक वर्मा और अब्दुल रहमान ने निभाई। प्रतियोगिता जनपदीय सचिव अमित कुमार यादव और प्रभाकर ओझा के नेतृत्व में संपन्न हुई। अंपायर की भूमिका अरविंद शेखर त्रिपाठी, राकेश कुमार चौधरी और विनोद कुमार ने निभाई। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेश सिंह, कृष्ण कुमार पाठक, सुरेंद्र कुमार, राजेश यादव, सुनील विश्वकर्मा, अर्जुन प्रसाद, रामशंकर और मोहम्मद सेराज अहमद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मतदाता सूची में नाम जोड़ने का अभियान शुरू:17 और 24 अक्टूबर को हर बूथ पर बीएलओ 10 से 4 बजे तक लेंगे आवेदन

संवाददाता–बलरामपुर। लोकतंत्र में भागीदारी का पहला कदम मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराना है। यदि अब तक आपका नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं हुआ है, तो इसे नजरअंदाज न करें। जिला प्रशासन ने पात्र नागरिकों को मतदाता सूची से जोड़ने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। 17 अक्टूबर और 24 अक्टूबर, 2026 को जिले के सभी 1805 मतदान बूथों पर विशेष व्यवस्था रहेगी। इन दोनों दिनों में सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) मतदाता सूची की नवीनतम प्रतियों और पर्याप्त संख्या में फॉर्म–6 के साथ मौजूद रहेंगे।

डीएम एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. विपिन कुमार जैन ने जनपदवासियों से अपील की है कि वे निर्धारित तिथियों पर अपने संबंधित मतदान बूथ पर पहुंचकर मतदाता सूची में अपना नाम अवश्य जांच लें। यदि नाम सूची में दर्ज नहीं है, तो फॉर्म–6 भरकर उसे शामिल कराने के लिए आवेदन करें, ताकि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से वंचित न रह जाए। जिला निर्वाचन अधिकारी ने विशेष रूप से युवा मतदाताओं, महिला मतदाताओं और उन सभी पात्र नागरिकों से अभियान में भाग लेने का आह्वान किया है, जिनका नाम अभी तक मतदाता सूची में शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराना लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भागीदारी के लिए आवश्यक है। इसलिए प्रत्येक पात्र नागरिक को अपनी जिम्मेदारी समझते हुए इस अवसर का लाभ उठाना चाहिए।

मतदाता सूची में पात्र नागरिकों के नाम शामिल कराने के लिए जिले में व्यापक स्तर पर तैयारियां की गई हैं। अभियान के तहत 1805 मतदान बूथों पर 1805 बीएलओ, 24 सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (एईआरओ) और चार निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी (ईआरओ) आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। निर्धारित तिथियों पर सभी मतदान बूथों पर मतदाता सूची उपलब्ध रहेगी और नाम दर्ज कराने के लिए फॉर्म–6 भी पर्याप्त संख्या में रखे जाएंगे। डीएम ने नागरिकों से अपील की है कि वे केवल अपना नाम जांचने तक सीमित न रहें, बल्कि अपने परिवार, पड़ोस और परिचितों में भी ऐसे पात्र लोगों को जागरूक करें, जिनका नाम मतदाता सूची में दर्ज नहीं है। सामूहिक जागरूकता और सक्रिय सहभागिता से यह सुनिश्चित किया जा सकता है कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के अवसर से वंचित न रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि मतदान प्रत्येक पात्र नागरिक का लोकतांत्रिक अधिकार है और इस अधिकार के प्रयोग के लिए मतदाता सूची में नाम दर्ज होना अनिवार्य है। जिला प्रशासन का स्पष्ट संकल्प है कि कोई भी पात्र मतदाता सूची में छूटने न पाए। इसके लिए जरूरी है कि नागरिक स्वयं जागरूक हों और दूसरों को भी जागरूक करें।

5.79 करोड़ के 20 टेंडर नहीं खुले, ईओ से एक घंटे पूछताछ, जांच समिति ने टेंडर प्रक्रिया के कागजात मांगे

संवाददाता–देवरिया। पथरदेवा नगर पंचायत में 5.79 करोड़ रुपये के 20 विकास कार्यों की निविदाएं निर्धारित समय पर नहीं खुलने का मामला जांच के घेरे में है। बुधवार दोपहर 3 बजे जांच समिति ने अधिशासी अधिकारी (ईओ) हिमांशु प्रताप सिंह को टेंडर प्रक्रिया से जुड़े अभिलेखों के साथ तलब किया। समिति ने उनसे करीब एक घंटे तक पूछताछ की। इसके बाद अधिकारियों ने अभिलेखों का परीक्षण शुरू कर दिया।

मामले की जांच मुख्य राजस्व अधिकारी चंद्रेश कुमार सिंह और वरिष्ठ कोषाधिकारी अतुल कुमार पांडेय की समिति कर रही है। समिति यह पता लगा रही है कि निर्धारित समय पर निविदाएं क्यों नहीं खोली गईं। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि बढ़ाने का निर्णय किन परिस्थितियों में लिया गया और इसके लिए कौन जिम्मेदार है, इसकी भी पड़ताल की जा रही है। साथ ही टेंडर प्रक्रिया में तय समयसीमा के पालन से जुड़े बिंदुओं की जांच हो रही है। नगर पंचायत की ओर से मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना, सीवरेज एवं जल निकासी योजना और आकांक्षी नगर योजना के तहत 20 विकास कार्यों के लिए ई–टेंडर जारी किए गए थे। निविदा अपलोड करने की अंतिम तिथि 5 अक्टूबर और उन्हें खोलने की तिथि 6 अक्टूबर तय थी। बाद में नगर पंचायत अध्यक्ष के आदेश पर आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ाकर 7 अक्टूबर कर दी गई। इसके बाद 8 अक्टूबर को शाम 4 बजे तक निविदाएं खोली जानी थीं, लेकिन निर्धारित समय पर प्रक्रिया पूरी नहीं हुई। इसके बाद टेंडर प्रक्रिया को लेकर विवाद शुरू हुआ और मामला जांच तक पहुंच गया।

तीनों योजनाओं के तहत प्रस्तावित कार्यों की कुल अनुमानित लागत 5 करोड़ 79 लाख 11 हजार रुपये है। इसमें मुख्यमंत्री नगर सृजन योजना के 15 कार्यों पर 3 करोड़ 80 लाख 33 हजार रुपये खर्च होने हैं। सीवरेज एवं जल निकासी योजना के एक कार्य की लागत 49 लाख 13 हजार रुपये है। वहीं, आकांक्षी नगर योजना के चार कार्यों पर 1 करोड़ 49 लाख 65 हजार रुपये खर्च किए जाने हैं।

निविदाएं नहीं खुलने के बाद ठेकेदारों और ईओ के बीच विवाद सामने आया। इस दौरान अपहरण के प्रयास, मारपीट और फायरिंग के आरोप भी लगाए गए। दोनों पक्षों की ओर से तरकुलवा थाने में मुकदमे दर्ज कराए गए। पुलिस ने ठेकेदार पक्ष के तीन लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। दूसरे पक्ष से गिरफ्तारी की स्थिति की आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। जांच समिति टेंडर प्रक्रिया से जुड़े दस्तावेजों, समयसीमा में किए गए बदलाव और निविदाएं नहीं खुलने के कारणों की पड़ताल कर रही है। जांच पूरी होने के बाद मामले में स्थिति स्पष्ट होने की उम्मीद है।

सीएमओ के निरीक्षण में दो संविदा कर्मी गैरहाजिर मिले

संवाददाता–श्रावस्ती। स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही पर अंकुश लगाने के लिए सीएमओ डॉ. अशोक कुमार सिंह ने बुधवार को दोपहर 2:00 बजे से 3रू00 के बीच प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हरिहरपुर का निरीक्षण किया। इस दौरान चिकित्सक डॉ. राकेश शर्मा और लैब टेक्नीशियन दिव्या सिंह अनुपस्थित मिले। दोनों संविदा कर्मियों के आठ अक्टूबर से हड़ताल पर होने की जानकारी मिलने पर सीएमओ ने संबंधित कर्मचारियों को अनुपस्थित दर्ज करने और वर्तमान माह का वेतन वास्तविक उपस्थिति के आधार पर ही जारी करने के निर्देश दिए। सीएमओ ने सहायक शोध अधिकारी सुरेश यादव के साथ स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान स्टाफ नर्स सरस्वती भारती उपस्थित मिलीं। फार्मासिस्ट ने बताया कि अनुपस्थित कर्मचारी अपनी विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल पर हैं।

अयोध्या में 16 अक्टूबर को होगा 'सीइंग इक्वली' पुस्तक का लोकार्पण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। धर्म, समानता और सामाजिक सद्भाव के सवालों पर संवाद के लिए 16 अक्टूबर को अयोध्या में सीलिंग इक्वली पुस्तक का लोकार्पण नयाघाट स्थित बाल योगी महंत रामदास के करतलिया बाबा आश्रम में शाम 5रू30 बजे आयोजित होगा।कार्यक्रम में जनप्रतिनिधि, संत, पत्रकार और सामाजिक विचारक शामिल होंगे। कार्यक्रम का आयोजन वेस्टलैंड बुक्स और करतलिया बाबा आश्रम की ओर से किया जा रहा है।पुस्तक में हिंदू परंपरा के भीतर प्रेम, करुणा, समानता और सामाजिक न्याय जैसे मूल्यों को रेखांकित किया गया है। इसमें धर्म के नाम पर होने वाले जातिगत भेदभाव, सामाजिक विभाजन और धार्मिक संकीर्णता पर भी सवाल उठाए गए हैं। पुस्तक का उद्देश्य धार्मिक परंपराओं में निहित समावेशी और मानवीय विचारों को सामने लाना है।प्रोफेसर अनंतानंद रामबचन और सुनीता विश्वनाथ द्वारा संपादित इस पुस्तक में 13 निबंध शामिल हैं। भारत, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया के हिंदू धार्मिक नेताओं और विचारकों ने इन निबंधों के माध्यम से समानता, करुणा और सामाजिक न्याय के विभिन्न पहलुओं पर विचार रखे हैं। पुस्तक में धर्म को केवल पूजा–पाठ और अनुष्ठानों तक सीमित न मानकर उसे सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय गरिमा से जोड़ने पर जोर दिया गया है।पुस्तक में हिंदू धर्म और हिंदुत्व की विभाजनकारी राजनीतिक विचारधारा के बीच अंतर को भी रेखांकित किया गया है। इसमें कहा गया है कि धर्म का आधार प्रेम, शांति और मानवता होना चाहिए। जातिगत भेदभाव, पितृसत्ता और दूसरे समुदायों के प्रति घृणा जैसी प्रवृत्तियों पर सवाल उठाते हुए समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने का आह्वान किया गया है।कार्यक्रम में अयोध्या के सांसद अवधेश प्रसाद, पूर्व मंत्री पवन पांडेय, महंत दिलीप दास, वरिष्ठ पत्रकार सुमन गुप्ता, पुस्तक के योगदानकर्ता स्वामी राघवेंद्र और करतलिया बाबा आश्रम के महंत रामदास के शामिल होने की जानकारी दी गई है। महंत रामदास का लेख भी पुस्तक में शामिल है।पुस्तक का दिल्ली में पहले ही लोकार्पण हो चुका है। अयोध्या में होने वाला यह आयोजन देश के विभिन्न हिस्सों में अगले तीन महीनों तक प्रस्तावित संवाद कार्यक्रमों की शृंखला का हिस्सा है। आयोजकों के अनुसार, इन कार्यक्रमों के माध्यम से धर्म की मानवीय भूमिका, लोकतांत्रिक मूल्यों और सामाजिक सद्भाव पर व्यापक विमर्श को आगे बढ़ाया जाएगा।

ज्ञानमती माताजी के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए राजनाथ सिंह को दिया निमंत्रण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। गणिनीप्रमुख आर्यिकाशिरोमणि श्री ज्ञानमती माताजी के 93वें जन्मोत्सव और 75वें संयम दिवस पर 25 से 27 अक्टूबर तक अयोध्या में धार्मिक एवं सामाजिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। समारोह में शामिल होने के लिए भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अभिषेक खरे के नेतृत्व में जैन समाज के प्रतिनिधिमंडल ने नई दिल्ली में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मुलाकात कर उन्हें आमंत्रित किया।भगवान ऋषभदेव जन्मभूमि दिगंबर जैन अयोध्या तीर्थक्षेत्र में शरद पूर्णिमा के अवसर पर आयोजित होने वाले समारोह में तीस चौबीसी जिनमंदिर शिखर कलशारोहण, भारतवर्षीय दिगंबर जैन सर्वजातीय महासंघ का राष्ट्रीय सम्मेलन और गणिनी ज्ञानमती पुरस्कार समर्पण समारोह होगा। मुख्य सभा 26 अक्टूबर को आयोजित की जाएगी। मुलाकात के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने रक्षा मंत्री को शॉल, अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। साथ ही ज्ञानमती माताजी की ओर से भेजा गया श्रीफल भेंटकर उन्हें समारोह में शामिल होने का निमंत्रण दिया। इस मौके पर राजनाथ सिंह ने समारोह की पत्रिका का विमोचन भी किया।रक्षा मंत्री ने निमंत्रण स्वीकार करते हुए कार्यक्रम में यथासंभव शामिल होने का आश्वासन दिया। उन्होंने ज्ञानमती माताजी के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना भी की।प्रतिनिधिमंडल में अभिषेक खरे के साथ आदीश कुमार जैन सर्राफ, प्रतिष्ठाचार्य विजय कुमार जैन, विकास जैन, कमल जैन और उमंग जैन शामिल रहे।

सीएमओ कार्यालय में जिलाध्यक्ष ने की अभद्रता, विकास वंचित इंसान पार्टी के जिलाध्यक्ष हिरासत में

संवाददाता–महराजगंज। जिला मुख्यालय स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) कार्यालय में बुधवार को हंगामे की स्थिति बन गई। विकास वंचित इंसान पार्टी के जिलाध्यक्ष पवन कुमार साहनी पर कार्यालय के कर्मचारियों से अभद्रता करने का आरोप लगा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इसके बाद मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। सीएमओ कार्यालय की ओर से मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर भी दी गई है। जानकारी के मुताबिक, पवन कुमार साहनी बुधवार को किसी काम के सिलसिले में ब्ड॰ डॉ. सुरेंद्र कुमार चौधरी के कार्यालय पहुंचे थे। आरोप है कि वहां मौजूद कर्मचारियों से उन्होंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

इसको लेकर कार्यालय में विवाद की स्थिति बन गई। इसके बाद कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही शहर कोतवाली पुलिस के साथ कलेक्ट्रेट चौकी प्रभारी और नगर चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने स्थिति संभालते हुए जिलाध्यक्ष से पूछताछ की। इस दौरान उनका अल्कोहल टेस्ट भी कराया गया।

प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, अल्कोहल टेस्ट में 73 प्रतिशत अल्कोहल की मात्रा पाए जाने की बात सामने आई है। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक मेडिकल रिपोर्ट की पुष्टि होना बाकी है। पुलिस जिलाध्यक्ष को हिरासत में लेकर मेडिकल जांच के लिए अस्पताल पहुंची।

सीएमओकार्यालय की ओर से कर्मचारियों के साथ कथित अभद्रता और हंगामे के मामले में कार्रवाई के लिए पुलिस को तहरीर दी गई है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। मेडिकल रिपोर्ट और जांच के निष्कर्ष सामने आने के बाद ही स्थिति स्पष्ट होगी।

दुर्गा पूजा देखकर लौट रहे तीन दोस्तों की मौत, तेज रफ्तार वाहन ने बाइक को रौंदा

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। सड़क हादसे में तीन युवकों की मौत हो गई। मंगलवार रात करीब 12 बजे तीनों दुर्गा पूजा देखकर एक ही बाइक से घर लौट रहे थे। तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि तीनों सड़क पर बिखर गए। घटना के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। राहगीरों ने तीनों को सड़क पर बदहवास हालत में पड़ा देखा। तुरंत परिजनों को सूचना दी। परिजन मौके पर पहुंचे तो तीनों की मौत हो चुकी थी। मामला भवानीगंज थाना क्षेत्र के बयारा चौराहे का है। चौरा बनगवा गांव निवासी विशाल (17) पुत्र रामचंद्र प्रजापति, इंद्रजीत गौतम (20) पुत्र बसंत गौतम और मुकेश अग्रहरि (16) पुत्र रामतीर्थ अग्रहरि एक ही गांव में रहते थे। तीनों आपस में दोस्त थे। विशाल और मुकेश रफी मेमोरियल इंटर कॉलेज में पढ़ाई करते थे। विशाल कक्षा 8 का छात्र था, जबकि मुकेश भी इसी कॉलेज में पढ़ता था। वहीं, इंद्रजीत भवन निर्माण में मजदूरी करके परिवार का सहयोग करता था। तीनों के परिवार आर्थिक रूप से कमजोर हैं। उनके पिता मजदूरी करके परिवार का भरण–पोषण करते हैं। तीनों मंगलवार देर रात पास के गांव में दुर्गा पूजा पंडाल पहुंचे थे। उस समय दुर्गा प्रतिमा की आंखों पर बंधी पट्टी खोली गई थी। तीनों ने पंडाल में प्रसाद ग्रहण किया। इसके बाद वे एक ही बाइक से घर के लिए निकल गए। रात करीब 2 बजे गांव से लगभग 700 मीटर दूर बयारा चौराहे के पास भड़रिया की तरफ से आ रहे अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। गंभीर चोटें आने से तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। घटनास्थल पर ताश के पत्ते मिलने की जानकारी भी सामने आई है। हादसे की सूचना मिलने पर भवानीगंज के थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और परिजनों को घटना की जानकारी दी। एक साथ तीन युवकों की मौत से परिवारों में कोहराम मच गया। चौरा बनगवा गांव में शोक का माहौल है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

शिवशंकर प्रजापति ने बताया कि मृतकों में विशाल उनका भतीजा था। मंगलवार रात गांव में दुर्गा प्रतिमा की पट्टी खुलने के बाद आरती हो रही थी। आरती समाप्त होने पर वे घर लौट आए। कुछ देर बाद उन्हें सूचना मिली कि बच्चे बाइक से दूसरे गांव में दुर्गा पूजा देखने जा रहे थे और उनका एक्सीडेंट हो गया है। मौके पर पहुंचकर देखा तो तीनों बच्चों के शव पड़े थे। थानाध्यक्ष विजय शंकर सिंह के मुताबिक, रात में गश्त के दौरान हादसे की सूचना मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

राजस्थान पुलिस के 481 जवानों का दीक्षांत समारोह संपन्न

संवाददाता–गोरखपुर। प्रशिक्षु प्रशिक्षण केंद्र, सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) गोरखपुर में बुधवार को राजस्थान पुलिस आरएसी के 481 प्रशिक्षणार्थियों का प्रशिक्षण पूरा होने पर दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राजस्थान पुलिस के महानिदेशक (कानून एवं व्यवस्था) संजय कुमार अग्रवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस दौरान प्रशिक्षु जवानों ने अनुशासित परेड और विभिन्न डेमोंस्ट्रेशन के जरिए अपनी शारीरिक दक्षता, कार्यकुशलता और प्रशिक्षण के दौरान अर्जित कौशल का प्रदर्शन किया। समारोह का शुभारंभ आकर्षक परेड से हुआ। जवानों ने उत्साह, अनुशासन और बेहतर समन्वय का परिचय दिया। प्रशिक्षु प्रशिक्षण केंद्र, एसएसबी गोरखपुर के उपमहानिरीक्षक अमित कुमार ठाकुर ने मुख्य अतिथि संजय कुमार अग्रवाल को स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। प्रशिक्षणार्थियों ने व्यावहारिक ज्ञान और कौशल का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न डेमोंस्ट्रेशन प्रस्तुत किए। इनके माध्यम से टीम भावना, शारीरिक क्षमता और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में कार्य करने की दक्षता प्रदर्शित की। समारोह में गोरखपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक राम कुमार, एसएसबी क्षेत्रक मुख्यालय गोरखपुर के उपमहानिरीक्षक दीपक बरनवाल, संयुक्त अस्पताल गोरखपुर की उपमहानिरीक्षक (चिकित्सा) पपिया सेनगुप्ता, बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. धर्मेंद्र कुमार और सैनिक स्कूल के प्रधानाचार्य कर्नल डीएस चौहान सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे। दीक्षांत समारोह प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण काल की उपलब्धियों का प्रतीक रहा। प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान, कौशल और अनुशासन से जवानों को अपनी नई जिम्मेदारियों का निर्वहन निष्ठा एवं दक्षता के साथ करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम से एसएसबी गोरखपुर और राजस्थान पुलिस के बीच प्रशिक्षण के क्षेत्र में आपसी समन्वय और सहयोग को भी मजबूती मिली।

स्व. प्रवीण कुमार फाउंडेशन के जनसम्पर्क कार्यालय का उद्घाटन

–भारतीय बस्ती संवादाता–

बांसी (सिद्धार्थनगर)। सामाजिक सेवा और जरूरतमंदों की सहायता के उद्देश्य से बुधवार, 14 अक्टूबर को बांसी नगर पालिका क्षेत्र में आईपीएस स्व. प्रवीण कुमार फाउंडेशन के जनसंपर्क कार्यालय का भव्य उद्घाटन किया गया। फाउंडेशन की चेयरपर्सन एवं समाजसेविका पूजा पाल की उपस्थिति में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन ने दोपहर 12रू05 बजे फीता काटकर कार्यालय का विधिवत उद्घाटन किया। इससे पूर्व पंडित राजेंद्र प्रसाद तिवारी ने मंत्रोच्चार के बीच धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराया।

उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन ने कहा कि वर्ष 1998 बैच के कर्तव्यनिष्ठ अधिकारी स्व. प्रवीण कुमार के नाम पर स्थापित फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक कार्यों को आगे बढ़ाने की पहल सराहनीय है। उन्होंने जरूरतमंदों की सहायता के लिए संस्था की ओर से किए जा रहे प्रयासों की प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में सेवा और सहयोग की भावना को मजबूत करते हैं।

फाउंडेशन की चेयरपर्सन एवं समाजसेविका पूजा पाल ने कहा कि संस्था का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद महिलाओं, गरीब परिवारों तथा संसाधनों के अभाव में अपनी प्रतिभा और क्षमता के अनुरूप आगे नहीं बढ़ पा रहे बच्चों की यथासंभव सहायता करना है। उन्होंने इस सामाजिक

सांसद जगदंबिका पाल की प्रेरणा से जरूरतमंदों की मदद करेगा फाउंडेशन, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में भी करेगा सहयोग

पहल के लिए सांसद जगदंबिका पाल की प्रेरणा का उल्लेख करते हुए कहा कि फाउंडेशन जरूरतमंद लोगों तक सहायता पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करेगा।

उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर वर्गों को सहयोग देकर उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना ही संस्था की प्राथमिकता है। जनसंपर्क कार्यालय के माध्यम से जरूरतमंद लोग अपनी समस्याओं और आवश्यकताओं को संस्था तक पहुंचा सकेंगे।

क्षेत्रीय उपाध्यक्ष राजेंद्र पांडेय ने कहा कि फाउंडेशन ग्रामीण क्षेत्रों के गरीब परिवारों को चिकित्सा, शिक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाओं में सहायता उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी के कारण अनेक परिवार जरूरी सुविधाओं से वंचित रह जाते हैं। ऐसे परिवारों की मदद करना और उन्हें आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना संस्था का प्रमुख उद्देश्य रहेगा।

उन्होंने विश्वास जताया कि फाउंडेशन के माध्यम से सामाजिक सेवा के कार्यों को नई दिशा मिलेगी और जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ प्राप्त होगा।

कार्यक्रम में सांसद प्रतिनिधि अमरेंद्र सिंह, उमेश पांडेय, सोनू जायसवाल, जितेंद्र कुमार पाठक, राम किंकर मिश्र, अशोक कुमार सिंह, बंशनाथ धर द्विवेदी, बबिता सिंह, संतोष त्रिपाठी, शिवेंद्र द्विवेदी और बजरंगी वर्मा सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

मोरंग लदे ट्रालर ने कॉलेज जा रही नौवीं की छात्रा को कुचला, मौके पर मौत

संवाददाता–गोरखपुर। कैंपियरगंज–करमैनी मार्ग पर भगवानपुर गांव के पास बुधवार सुबह मोरंग लदे तेज रफ्तार ट्रालर की चपेट में आने से कक्षा नौ की छात्रा संजू (15) की मौत हो गई। वह भैंसला स्थित इंटर कॉलेज में पढ़ने जा रही थी। हादसे के बाद चालक ट्रालर लेकर भागने लगा तो ग्रामीणों ने पीछा कर उसे पकड़ लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने वाहन को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू कर दी। गुलरिहा गांव निवासी जितेंद्र की पुत्री संजू बुधवार सुबह करीब 8:30 बजे घर से कॉलेज के लिए निकली थी। वह भगवानपुर गांव के पास पहुंची थी कि कैंपियरगंज की तरफ से मोरंग लादकर आ रहे ट्रालर ने उसे टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने से संजू की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही करमैनी चौकी की पुलिस मौके पर पहुंच गई। जानकारी पाकर संजू की मां, बहन और अन्य परिजन भी घटनास्थल पर पहुंचे। बेटी का शव देखकर मां और बहन बदहवास हो गईं। उनकी चीख–पुकार से मौके पर मौजूद लोगों की आंखें भी नम हो गईं। परिवार में कोहराम मच गया।

उधर, हादसे के बाद ट्रालर लेकर भाग रहे चालक को ग्रामीणों ने पीछा कर पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। करमैनी चौकी प्रभारी ने बताया कि ट्रालर को कब्जे में ले लिया गया है। मामले में नियमानुसार विधिक कार्रवाई की जा रही है।

दूल्हा अमित बोले- घर से शादी करते तो 4–5 लाख रुपए खर्च होते

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत बुधवार दोपहर एक बजे बीएसए ग्राउंड में 400 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य रखा गया। कार्यक्रम में जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन, नगर पालिका अध्यक्ष गोविंद माधव और कपिलवस्तु विधायक श्यामधनी राही मौजूद रहे। सांसद जगदंबिका पाल ने समारोह का समापन किया। टकरही गांव के अमित कुमार ने बताया कि परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर है। ऐसे में घर से शादी का खर्च जुटाना मुश्किल था। चाचा से योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने सामूहिक विवाह में शादी करने का फैसला किया। अमित के मुताबिक, घर से शादी करने पर करीब 4 से 5 लाख रुपए खर्च होते। सामूहिक विवाह में कम खर्च में शादी संपन्न होने से उन्हें राहत मिली। समारोह में शामिल नवविवाहित अनवर अली ने भी योजना की तारीफ की। मुंबई निवासी अनवर ने कहा कि शादी में काफी पैसा खर्च होता है। आर्थिक रूप से मजबूत परिवार अपनी हैसियत के अनुसार खर्च कर लेते हैं, लेकिन गरीब परिवारों के लिए यह आसान नहीं होता।

अनवर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से चलाई जा रही योजना उन्हें अच्छी लगी। यहां उन्हें किसी तरह का भेदभाव महसूस नहीं हुआ। सभी के लिए अलग–अलग व्यवस्था की गई थी और इंतजाम भी अच्छा रहा। उन्होंने कहा कि गरीब परिवारों की मदद के लिए इस तरह की योजनाएं उपयोगी हैं। सामूहिक विवाह में शामिल सकीना ने बताया कि इस तरह विवाह होने से उन्हें अच्छा लग रहा है। इससे पैसे और मेहनत, दोनों की बचत हो रही है। गांव के लोगों से योजना की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने इसमें शामिल होने का फैसला किया। वहीं, नवविवाहित साकिर ने बताया कि घर से शादी करने पर करीब 5 से 6 लाख रुपए खर्च हो जाते। सामूहिक विवाह समारोह में उन्हें शादी के लिए जरूरी सुविधाएं और आर्थिक सहायता मिल रही है। फॉर्म भरने के बाद योजना की जानकारी मिली, जिसके बाद वे यहां पहुंचे।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सिद्धार्थनगर में वर्ष 2026 के दौरान मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के तहत कई आयोजन हो चुके हैं। 14 फरवरी को जिले में 358 जोड़ों का विवाह हुआ था। इसके बाद 22 फरवरी को बांसी स्थित रतन सेन डिग्री कॉलेज में आयोजित समारोह में 321 जोड़े विवाह बंधन में बंधे थे। इनमें 229 हिंदू, 65 बौद्ध और 27 मुस्लिम जोड़े शामिल थे। मार्च में भी सामूहिक विवाह समारोह आयोजित किया गया था। उस समय जिले में विवाह का लक्ष्य बढ़ाकर 950 जोड़े किया गया था। 8 मार्च तक 793 जोड़ों का विवाह संपन्न हो चुका था। इसके बाद बीएसए ग्राउंड में आयोजित समारोह में 331 जोड़ों की शादी हुई। जुलाई में भी जिला मुख्यालय पर सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया गया था। फरवरी से जुलाई 2026 के बीच जिले में 1,250 से अधिक जोड़ों के विवाह होने की जानकारी दी गई थी। बुधवार, 14 अक्टूबर को आयोजित समारोह में 400 जोड़ों के विवाह का लक्ष्य रखा गया। हालांकि, इस कार्यक्रम में वास्तव में कितने जोड़ों का विवाह संपन्न हुआ और हिंदू, मुस्लिम व बौद्ध समुदाय से कितने जोड़े शामिल हुए, इसका अलग–अलग आंकड़ा स्पष्ट नहीं हो सका है। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को विवाह के खर्च में सहायता देना है। योजना के तहत पात्र जोड़ों का विवाह उनके धार्मिक रीति–रिवाजों के अनुसार कराया जाता है। इसके साथ नवविवाहित जोड़ों को आर्थिक सहायता और गृहस्थी शुरू करने के लिए जरूरी सामान भी उपलब्ध कराया जाता है। इसमें कपड़े, स्टील के बर्तन, प्रेशर कुकर, ट्रॉली बैग और घरेलू उपयोग की अन्य वस्तुएं शामिल हो सकती हैं।

किन्नरों ने नौसड़ चौकी पर किया हंगामा

संवाददाता–गोरखपुर। गीडा इलाके में क्षेत्र को लेकर किन्नरों को दो गुटों में नोकझोंक हो गई। इसको लेकर बुधवार को एक पक्ष के किन्नरों ने 50 की संख्या में पहुंचकर नौसड़ चौकी का घेराव कर दिया। दूसरे पक्ष पर कारवाई की मांग करने लगे। किन्नरों की भीड़ देखकर मौके पर अतिरिक्त पुलिस फोर्स बुलाई गई। काफी देर तक चौकी पर जमावड़ा लगा रहा। पुलिस अधिकारी के समझाने तहरीर के आधार पर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, तब जाकर किन्नर शांत हुए। बुधवार को नैना किन्नर ने तहरीर देकर बताया कि मंगलवार को मेरी शिष्य कंचन, वर्षा, करीना, हर्षिता रोज की तरह क्षेत्र में निकली थीं। आरोप लगाया कि इस दौरान दूसरे गुट के सैकड़ों किन्नरों ने जुटकर गालियां देते हुए मेरे शिष्यों को लाठी, डंडे से पीटने लगे। धमकी दिए कि आज के बाद इस क्षेत्र में मत दिखना।

नो–व्हीकल जोन खुलवाने के लिए बंद रही चटोरी गली की दुकानें

संवाददाता–गोरखपुर। गोलघर में करीब आठ करोड़ रुपये खर्च कर नगर निगम द्वारा विकसित की गई चटोरी को नो–व्हीकल जोन बनाए जाने के खिलाफ 14 अक्तूबर को व्यापारियों ने अपने फूडकोर्ट बंद रखे। एक जुट होकर व्यापारियों ने नारेबाजी की और तत्काल नो–व्हीकल जोन के निर्देश वापस लेने की डिमांड की। विरोध प्रदर्शन कर रहे व्यापारियों में अनिल अग्रवाल, अमन यादव, दिग्विजय सिंह, नवीन सिंह, सुशील अग्रवाल, जिशान अहसन, पुनीत जिंदल, प्रदीप टेकरीवाल, राजकुमार गुप्ता, जमाल अहमद , दीपक जालान, इसरार अहमद, अनिल सिंह, अनूप सिंह, जफर, धनंजय पांडेय, रवि समेत अन्य शामिल रहे। प्रदर्शन में शामिल समस्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष नितिन जायसवाल ने कहा 13 अक्तूबर को ही व्यापारियों ने सर्वसम्मति से चटोरी गली की दुकानों को बंद करने का एलान किया था। नगर आयुक्त अजय जैन भी आए थे, लेकिन संवाद के बाद कोई रास्ता नहीं निकल सका। उन्होंने यातायात पुलिस से वार्ता कर कोई समाधान तलाश करने का आश्वासन दिया था। वार्ता के दौरान बेतियाहाता पार्षद विश्वजीत त्रिपाठी समेत बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे थे। लेकिन आंदोलित व्यापारियों ने उनकी एक नहीं सुनी। उनका कहना है कि लगभग डेढ़ वर्ष से नगर निगम द्वारा गली के दोनों ओर रास्ता बंद कर दिए जाने से यहां के व्यापारियों का व्यवसाय 50 से 60: प्रतिशत तक चौपट हो गया है।

न्यायालय–न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मेहदावल संत कबीर नगर उ०प्र० भारत।

विपक्षी व्यक्ति को नोटिस
(भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 144 के तहत)

वाद सं0–7/26
थाना–धर्मसिंहवा
धारा 144 (3) बी.एन.एस.एस.
ता0–5–11–26

राधिका आदि
बनाम
चन्दन साहनी

विपक्षी का नाम व पता– चन्दन साहनी पुत्र तुलसी प्रसाद ग्राम डुमरी निवास थाना–सहजनवां जिला–गोरखपुर,

धारा– 144 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के अन्तर्गत आपके विरुद्ध सायला/प्रार्थिनी का नाम व पता– राधिका पत्नी चन्दन साहनी पुत्री शिव कुमार सा० डुमरी निवास थाना सहजनवां जि० गोरखपुर हाल मु० –हरैया थाना धर्मसिंहवा जिला–स०क०नगर,

द्वारा दिये गये प्रार्थना पत्र पर आपका व्यक्तिगत रूप से अधोहस्ताक्षरी के न्यायालय में हाजिर होना आवश्यक है। इसलिए आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप स्वयं धारा–144 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में दिये गये प्रार्थना पत्र का उत्तर देने के लिए न्यायालय– न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय मेहदावल संत कबीर नगर उ०प्र०, भारत के समक्ष दिनांक 5–11–26, को हाजिर हों। इसमें चूक नहीं होनी चाहिए।

दिनांक– 8–10–26,
(हस्ताक्षर)
न्यायाधिकारी
ग्राम न्यायालय मेहदावल
संत कबीर नगर

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)

अदालत–श्रीमान जिलाधिकारी बस्ती सदर जिला–बस्ती
प्रकीर्णवाद सं0– 25

जोखूराम
बनाम
मिथिलेश आदि

1. मिथिलेश पत्नी सुनील कुमार साकिन बनकटा तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील व जिला बस्ती 2. आलोक कुमार श्रीवास्तव 3. अनिल कुमार श्रीवास्तव पुत्रगण अमित कुमार श्रीवास्तव निवासीगण मौजा भानपुर रानी परगना भानपुर रानी तहसील डुमरियागंज जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 21–10–2026

हरगाह मुद्दई मजकुरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 21 माह 10 सन 2026 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख 14 माह 10 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–170/2022

योगेन्द्र सिंह
बनाम
श्रीमती सुभावती

1/1 मनराज उम्र लगभग 70 साल पुत्र छोटेलाल 1/2 उमेश उम्र लगभग 28 साल पुत्र मनराज निवासी ग्राम महुआपार पोस्ट महुआपार तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 30–11–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 30 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान प्रथम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–669/2010

टिनिच कोआपरेटिव केन डबलमेंट आदि
बनाम
राम नरेश आदि

2/2/1 प्रभावती सिंह उम्र 65 साल पत्नी स्व0 विमल कुमार सिंह 2/2/2 प्रतिभा सिंह उम्र 35 साल 2/2/3 अंकिता सिंह उम्र 30 साल पुत्रीगण स्व0 विमल कुमार सिंह साकिनान मौजा आमा तप्पा शिवपुर परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 09–12–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 09 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा। बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
उत्तराधिकार वाद सं0 246/2026

शकुन्तला–सायल

1. शकुन्तला उम्र लगभग 25 साल पत्नी राम सजीवन ग्राम व पोस्ट पिरैला नरहरिया तप्पा छपिया परगना बस्ती पूरव तहसील भानपुर जिला बस्ती

तारीख पेशी 19–10–2026

दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालत हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज्र हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी **19–10–2026** मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (सी0 डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–206/2025

दिनेश आदि
बनाम
ज्ञानमती

1. ज्ञानमती उम्र 40 वर्ष पत्नी जगराम निवासी मौजा रूधौली तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती
–प्रतिवादिनी

तारीख पेशी 23–11–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 23 माह 11 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–1030/2025

श्रीमती सरोज
बनाम
मुनिराम आदि

1. मुनिराम उम्र करीब 55 वर्ष 2. मुनीलाल उम्र करीब 49 वर्ष 3. सर्वेश उम्र करीब 42 वर्ष पुत्रगण सन्तराम निवासीगण ग्राम इटहिया तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 15–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 15 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com